महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

इच्छाओं की सड़क तो बहुत दूर तक जाती है, बेहतर यही है कि हम 'ज़रूरतों की गली में मुड़ जाएं

वर्ष : 17 अंक : 19 | उज्जैन, सोमवार 29 जून 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

स्वास्थ्य क्षेत्र में जनभागीदारी से मध्यप्रदेश बना है अग्रणी : मुख्यमंत्री

पल्स पोलियो अभियान और नवाचारी योजना 'सुमन पंचायत' का किया शुभारंभ

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में जनभागीदारी के फलस्वरूप मध्यप्रदेश अग्रणी है। सुमन पंचायत का नवाचार और अच्छे परिणाम लाने में सहयोगी होगा क्योंकि जो पंचायतें ग्रामवासियों को विशेष कर बच्चों को स्वस्थ्य रखने के लिए सक्रिय रहेंगी, उन्हें प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए जाएंगे। वर्तमान में भी मातृ वंदना योजना, सर्वाइकल कैंसर से बेटियों को बचाने और बच्चों को खसरा सहित अन्य रोगों से बचाने के लिए जनभागीदारी से बेहतर कार्य हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में उच्चतम मापदंड स्थापित करने का कार्य किया है। कोविड जैसे बड़े संकट से निपटने के लिए उन्होंने प्रबल इच्छाशक्ति का परिचय दिया। आज पूरे देश में मातृ और शिशु दर कम करने और रोगों को जागरूकता से नियंत्रित करने की दिशा में सार्थक कार्य हो रहा है। मध्यप्रदेश में अनेक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में अच्छे परिणाम दिए हैं। जनकल्याण का यह अभियान जारी रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल में राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर प्रदेश की जन स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल, जनभागीदारी आधारित अभिनव नवाचारी पहल ÷सुमन पंचायत÷ योजना का शुभारंभ और स्टेट एंटी-माइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) एक्शन प्लान 2.0 का अनावरण किया। साथ ही स्वास्थ्य पुस्तिकाओं का लोकार्पण एवं स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी लघु फिल्में भी दिखाई गईं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसी ने भगवान को नहीं देखा लेकिन चिकित्सक द्वारा अपनेपन के साथ की गई देखरेख और दिया गया उपचार रोगी को स्वस्थ बनाता है। इस नाते चिकित्सक ईश्वर का ही रूप है। मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग का एकीकरण किया गया था। मध्यप्रदेश में जनस्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं का श्रेष्ठ क्रियान्वयन हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैतूल जिले के कुकरू में रविवार की सुबह राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत तीन बच्चों को पोलियो से बचाव के लिए दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया और प्रशासन अकादमी में हुए विशेष कार्यक्रम में इस तीन दिवसीय विशेष अभियान में प्रतीक स्वरूप पांच बच्चों को दवा ?पिलाई। अभियान के अंतर्गत 29 और 30 जून को घर-घर जाकर बच्चों को दवा पिलाई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सर्वाइकल कैंसर से बेटियों को बचाने के कार्य में पूरे देश में अव्वल है। यह नतीजे स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों, अधिकारियों, पैरा-मेडिकल स्टॉफ, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, जन प्रतिनिधियों और नागरिकों की सामूहिक भूमिका से प्राप्त हुए हैं, जिसके लिए सभी अभिनंदन के पात्र हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एचपीवी टीकाकरण अभियान एवं स्वस्थ यकृत मिशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिलों को सम्मानित भी किया। इन जिलों में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए राजगढ़, डिंडौरी और मुरैना क्रमश- प्रथम, द्वितीय और तीसरे स्थान पर रहे हैं। स्वस्थ यकृत मिशन के अंतर्गत किए गए कार्यों में बालाघाट को प्रथम, छिंदवाड़ा को द्वितीय और शाजापुर को तृतीय स्थान प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया।

उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वास्थ्य क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य के लिए मार्गदर्शन दिया है। हमारे देश और प्रदेश को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के पश्चात् सर्वाधिक ध्यान स्वास्थ्य क्षेत्र पर दिया गया है। नागरिकों को अनेक प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं देने और योजनाओं को जमीन पर उतारने में मध्यप्रदेश आगे है। सिर्फ दो माह की अवधि में आठ लाख से अधिक बेटियों का एचपीवी टीकाकरण करने में सफलता मिली है। ऐसी ही सफलता स्वस्थ यकृत मिशन के कार्य में प्राप्त हुई है। लगभग डेढ़ करोड़ लोगों की लिवर की जांच एक वर्ष से कम समय में कर ली गई। प्रदेश में करीब ढाई हजार नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर रोगी चिन्हित किए गए हैं। मातृ और शिशु दर के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश सुधार की गति बढ़ाने में सफल हुआ है। रोग की शीघ्र पहचान पर भी जोर दिया जा रहा है। सुमन पंचायत योजना के माध्यम से प्रत्येक पंचायत को जागरूक कर हेल्थ सेक्टर में अच्छे नतीजे हासिल किए जाएंगे। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि सुमन पंचायत अर्थात (सुरक्षित मातृत्व आश्वासन) के साथ ही प्रदेश में स्वास्थ्य क्षेत्र में अनेक नवाचार हो रहे हैं। स्वस्थ यकृत का महत्व समझाने के लिए मिशन के अंतर्गत बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग का कार्य किया गया है, जिससे ऐसे रोगी सामने आए जो शराब आदि का सेवन नहीं करते लेकिन लिवर में अतिरिक्त वसा जमा हो जाने की समस्या से प्रभावित हैं। दोषपूर्ण जीवनशैली से उत्पन्न होने वाले इस लक्षण को पहचान कर सुधार की ओर बढ़ने के लिए यह स्क्रीनिंग कार्य उपयोगी सिद्ध होगा।

न्यूज ब्रीफ

अब सरकार का ध्यान एआई आधारित अनुपालन पर, बढ़ेगी पारदर्शिता

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश में जीएसटी प्रणाली लागू होने के 10 साल पूरे होने जा रहे हैं। ऐसे में अब सरकार का ध्यान केवल कर संग्रह बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित अनुपालन, तेज रिफंड, डेटा एकीकरण और कर प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर केंद्रित हो गया है। इसका उद्देश्य कारोबार क्षेत्रों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अनुपालन लागत कम करना और कर चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाना है। एक जुलाई, 2017 को आधी रात में संसद के केंद्रीय कक्ष में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने जीएसटी की शुरुआत की थी। उस समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे 'गुड एंड सिंपल टैक्स' बताते हुए कहा था कि इससे व्यापारियों और छोटे कारोबारियों को अनावश्यक परेशानियों से राहत मिलेगी। जीएसटी को देश के सबसे बड़े आर्थिक सुधारों में गिना जाता है। जीएसटी लागू करने से पहले देश में केंद्र और राज्यों के 17 प्रकार के कर तथा 13 तरह के उपकर (सेस) लागू थे। जीएसटी में इन्हें समाहित कर पूरे देश के लिए एक समान अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था लागू की गई, जिससे 'एक राष्ट्, एक कर' की अवधारणा को बल मिला। जीएसटी लागू होने के समय देश में पंजीकृत करदाताओं की संख्या करीब 66.5 लाख थी, जो वर्ष 2026 तक बढ़कर लगभग 1.6 करोड़ हो गई है। इसे अर्थव्यवस्था के तेजी से संगठित होने का संकेत माना जा रहा है। शुरुआत में जीएसटी में चार कर स्लैब-5, 12, 18 और 28 प्रतिशत थे। वहीं विलासिता वाली वस्तुओं और अहितकर उत्पादों मसलन तंबाकू आदि पर 28 प्रतिशत के कर के अलावा अतिरिक्त उपकर भी लगाया गया। बाद में कर प्रणाली में सुधार के तहत 22 सितंबर, 2025 से नई दो-स्तरीय जीएसटी व्यवस्था लागू की गई। इसके तहत अधिकांश आवश्यक वस्तुओं को पांच प्रतिशत और सामान्य वस्तुओं एवं सेवाओं को 18 प्रतिशत कर स्लैब में रखा गया। वहीं केवल लक्जरी और अहितकर वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की उच्च दर लागू रखी गई।

पलामू, बक्सा सहित बाघ विहीन या कम बाघ वाले 22 अभयारण्यों में बाघों की होगी पुनर्बहाली

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश में वैसे तो 58 बाघ अभयारण्य और करीब 3682 बाघ है लेकिन इनमें से बाघों की 40 प्रतिशत से अधिक आबादी पांच से छह अभयारण्यों में ही पायी जाती है। वहीं 22 से अधिक बाघ अभयारण्य ऐसे है जो या तो बाघ विहीन या फिर उनमें बाघों की संख्या बेहद कम है। ऐसे में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने राष्टीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के साथ मिलकर पलामू (झारंखड) और बक्सा अभयारण्य (बंगाल) सहित बाघ विहीन या कम बाघ वाले 22 अभयारण्यों में बाघों की मौजूदगी को बढ़ाने की एक नई योजना पर काम शुरू किया है। इनमें से करीब पांच से छह अभयारण्यों को जल्द दूसरे राज्यों से बाघ मुहैया कराने की सहमति भी दे दी गई है। इसे लेकर इन अभयारण्यों ने तैयारी भी शुरू कर दी है। इनमें पलामू भी एक है। राजस्थान के सरिस्का बाघ अभयारण्य में बाघों के पुनर्स्थापन के अवसर और चुनौतियों को लेकर रविवार से शुरू हुए दो दिनी सम्मेलन में इसे लेकर विस्तृत चर्चा शुरू हुई है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कहा कि बाघों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इनका बेहतर प्रबंधन जरूरी हो गया है। ऐसे में सभी बाघ अभयारण्यों की क्षमता, मौजूदा समय में बाघों की उपस्थिति और उससे जुडी कार्ययोजना की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने इस दौरान वन्यजीवों के संरक्षण के साथ अभयारण्य के आस-पास रहने वाले स्थानीय लोगों के साथ जुड़ाव बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि सरिस्का को इस सम्मेलन के लिए इसलिए चुना गया है कि यह बाघों की पुनर्बहाली की एक बड़ा उदाहरण है।

केतन मर्डर केस के क्रिकेट से जुड़े तार, सिया के भाई साहिल का करीबी है चेतन; एक ही टीम के लिए खेलते थे दोनों

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे के किले में हुए सनसनीखेज मर्डर केस की जांच में अब क्रिकेट का एंगल भी सामने आया है। जांच में सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी के रिश्तों की गहराई से पड़ताल की जा रही है।

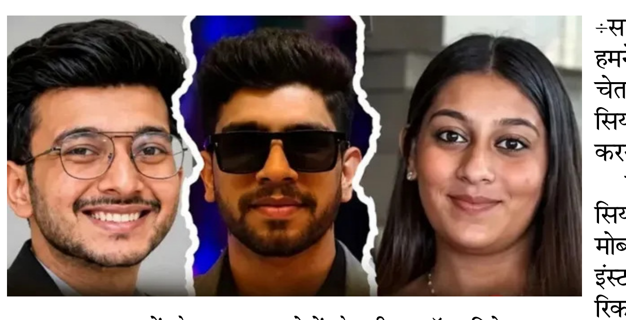

सिया पर आरोप है कि उन्होंने चौधरी के साथ मिलकर रची गई एक साजिश के तहत 18 जून को लोहागढ़ किले की एक चट्टान से अपने मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर उनकी जान ले ली।

चेतन को पहले से जानता था साहिल- सिया के भाई साहिल गोयल से कल 10 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की गई। उसने बताया है कि उन्हें चौधरी के बारे में पता था जबकि उसके माता-पिता ने पहले कहा था कि उन्हें उसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

साहिल गोयल ने पुलिस को बताया कि सिया उसके क्रिकेट मैच देखने जाती थीं और वहीं पहली बार चेतन से मुलाकात हुई थी। पुलिस के मुताबिक, बाद में पिछले साल एक कॉमन दोस्त की दिवाली पार्टी में वे फिर मिले, जिसके बाद वे एक-दूसरे के करीब आ गए।

सूत्रों के अनुसार, दोनों के बीच कॉल डिटेल रिकॉर्ड से पता चलता है कि जनवरी से अब तक उनके बीच 2,000 से ज्यादा बार फोन पर बातचीत हुई है और इन कॉल्स की कुल अवधि लगभग 238 घंटे होने का अनुमान है।

सिया के परिवार का क्या कहना है- साहिल गोयल ने पुलिस को यह भी बताया कि अगर उनकी बहन की मर्जी नहीं होती तो उनका परिवार शादी रद कर देता। उसकी मां पूजा गोयल ने कहा था कि उनकी बेटी ने कभी कोई नाराजगी नहीं जताई और उन्होंने चौधरी को कभी देखा या उनसे बात नहीं की थी। हालांकि, सिया गोयल के वकील ने कहा कि वह और चेतन चौधरी दोस्त थे। एक अधिकारी ने कहा, ÷साहिल चेतन चौधरी को जानता था और हमने उससे कुछ बातों की पुष्टि की। पुलिस चेतन की मौत की जांच के सिलसिले में सिया गोयल के दूसरे रिश्तेदारों के बयान दर्ज करने की भी तैयारी कर रही है।

जांच में पता चला है कि दोनों आरोपियों सिया गोयल और चेतन चौधरी ने अपने मोबाइल फोन से अपनी वॉट्सऐप चैट, इंस्टाग्राम बातचीत और अन्य डिजिटल रिकॉर्ड डिलीट कर दिए थे। उनकी बातचीत का पूरा रिकॉर्ड वापस पाने के लिए अब डिलीट किए गए डेटा का फोरेंसिक एनालिसिस किया जा रहा है।

जांच में यह भी पता चला है कि अग्रवाल की कथित हत्या से एक दिन पहले 17 जून को गोयल और चौधरी पुणे के लुल्ला नगर में एक कैफे में लगभग एक घंटे तक मिले थे। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या उन्होंने इस बैठक के दौरान हत्या की योजना बनाई थी या इससे जुड़ी कोई और बातचीत की थी।

लोनावला डिवीजन के डीएसपी गजानन टोनप ने कहा, केतन की कथित हत्या के मामले में सिया और चेतन दोनों की भूमिकाएं स्थापित हो गई हैं।

अरुणाचल में भारी बारिश और बाढ़ से तबाही, 3 की मौत-कई लापता; 9 जिलों में हाई अलर्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। अरुणाचल प्रदेश में इन दिनों कुदरत का कहर बरप रहा है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बाद राज्य के कई हिस्सों में अचानक आई बाढ़ और भीषण भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है। इस आपदा के चलते राज्य में मृतकों की संख्या बढ़कर अब तक तीन हो गई है, जबकि कई अन्य लापता हैं।

जानकारी के अनुसार राज्य के करीब 9 जिले इस समय बाढ़ की चपेट में हैं, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। सड़कों के टूटने और पुलों के दरकने से कई इलाकों का संपर्क कट गया है।

बचाव कार्य में जुटी एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की टीम- राज्यभर में गंभीर होती स्थिति को देखते हुए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मलबे और उफनती नदियों के बीच मुस्तैदी से रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं। दूसरी ओर मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए भारी से अत्यंत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिससे आने वाले दिनों में चुनौतियां और बढ़ने की संभावना तेज हो गई है।

जानकारी के अनुसार केयी पान्योर जिले में आई बाढ़ के बाद लापता हुए सौरव कुमार खरवार का शव रविवार को पड़ोसी जिले पापुम पारे के हवा कैंप के पास से बरामद किया गया। इसके साथ ही मरने वालों की संख्या 3 हो गई है।

इसके अलावा बुधवार को आई इस बाढ़ में कुल 5 लोग लापता हुए थे।

एनीमिया मुक्त भारत अभियान : देश को कुपोषण से जिताने की नई मुहिम

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत को एनीमिया (यानी खून की कमी) से मुक्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा नई दिल्ली के विज्ञान भवन में सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद (सीसीएचएफडब्ल्यू) की 16वीं बैठक के दौरान एनीमिया मुक्त भारत अभियान के नए दिशानिर्देश जारी करेंगे।

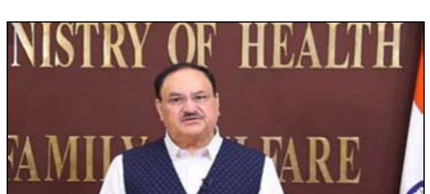

अब यह कार्यक्रम सिर्फ एक मिशन नहीं, बल्कि तकनीक से लैस एक जन-आंदोलन बनने जा रहा है, जो हर नागरिक के स्वास्थ्य और पोषण को सुनिश्चित करेगा।

इस अभियान की सबसे भावपूर्ण और संवेदनशील बात यह है कि इसमें अब जीवन के सबसे शुरुआती और नाजुक दौर को भी शामिल किया गया है।

पुरानी रणनीति का दायरा बढ़ाकर अब इसे 7×7×7 का रूप दिया गया है। इसके तहत कम वजन के साथ पैदा होने वाले नवजात शिशुओं (0-6 माह) को सातवें लाभार्थी समूह के रूप में शामिल किया गया है जो जीवन के प्रारंभिक चरणों से ही एनीमिया के निवारण के महत्व को दर्शाता है। इसके अलावा, रोजमर्रा की जिंदगी में आयरन से भरपूर और विविध आहारों ईटिंग राइट (सही खान-पान) के नियमित सेवन को दैनिक आदत के रूप में बढ़ावा देने को सातवें हस्तक्षेप के रूप में शामिल किया गया है। सातवें संस्थागत तंत्र में डिजिटल ट्रैकिंग के जरिये इस पूरी व्यवस्था की निगरानी की जाएगी।

देश की माताओं, बहनों और बच्चों को एनीमिया के जाल से बाहर निकालने के लिए अब रणनीति को और धारदार बनाया गया है। अब पुरानी टी-3 (टेस्ट, ट्रीट, टाक) रणनीति को बदलकर टी-4 (टेस्ट, ट्रीट, टाक और ट्रैक) कर दिया गया है। यानी अब केवल जांच और इलाज ही नहीं होगा, बल्कि मरीजों की लगातार ट्रैकिंग और काउंसलिंग भी की जाएगी।

सऊदी के रास तनुरा में अरामको का हेलीकॉप्टर क्रैश, 14 लोगों की मौत

नई दिल्ली/ जीएनएस। सऊदी अरब के रास तनुरा में सऊदी अरामको का हेलीकॉप्टर क्रैश होने से 14 लोगों की मौत हो गई है।

सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि सऊदी अरब की बड़ी तेल कंपनी अरामको का एक हेलीकॉप्टर रविवार को होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिम में सऊदी अरब के पूर्वी तट पर स्थित रास तनुरा में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई। एजेंसी ने यह भी कहा कि दुर्घटना का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। अरामको ने खाड़ी में स्थित अपने रास तनुरा टर्मिनल पर शुक्रवार को कच्चे तेल की लोडिंग फिर से शुरू की थी, जिसे लगभग चार महीनों के लिए रोक दिया गया था।

हेलीकॉप्टर दुर्घटना कारणों का पता लगाने की कोशिश-सरकारी समाचार एजेंसी ने आगे कहा, हेलीकॉप्टर दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों की मदद से जांच की जा रही है।

क्या बंगालियों को पता है कि राजमा क्या होता है, मिड-डे मील से अंडे हटाए जाने पर महुआ मोइत्रा का बीजेपी पर हमला

नई दिल्ली/ जीएनएस। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार के उस फैसले की आलोचनी की, जिसके तहत स्कूल के मिड-डे मील से अंडे को हटाकर राजमा को शामिल किया जा रहा है।

बता दें कि इस नए पायलट प्रोजेक्ट के तहत ढ्ढस्र्च्यष्टह्रह्र खाना तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य के बच्चे सोया पसंद नहीं करते और तर्क दिया कि उत्तरी भारत की तुलना में इस राज्य में राजमा आम तौर पर नहीं खाया जाता है।

कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के तहत आने वाले स्कूलों के लिए सिर्फ शाकाहारी मेन्यू की योजना को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ गया है। टीएमसी ने बीजेपी पर बंगाल में शाकाहारी संस्कृति थोपने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। राज्य का पहला बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने घोषणा की कि ढ्ढस्र्च्यष्टह्रह्र एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत केएमसी के अंतर्गत चुने गए स्कूलों में पका हुआ भोजन उपलब्ध कराएगा। चूंकि यह संस्था केवल शाकाहारी भोजन परोसती है, इसलिए इस प्रोजेक्ट के दायरे में आने वाले स्कूलों के मेन्यू में अंडे शामिल नहीं किए जाएंगे, जबकि बंगाल की स्कूल भोजन योजना में अंडे सबसे लोकप्रिय चीजों में से एक हैं।

इसके बजाय, छात्रों को प्रोटीन से भरपूर शाकाहारी विकल्प मिलेंगे जिनमें पनीर, राजमा, सोया उत्पाद, दालें और दूध से बनी चीजें शामिल होंगी।

टीएमसी ने शाकाहारी मिड-डे मील को लेकर बीजेपी पर साधा निशाना- बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कुछ बचे हुए वफादार लोगों में से एक महुआ मोइत्रा ने केएमसी इलाके में शुरू किए गए शाकाहारी मिड-डे मील मेन्यू समेत कई मुद्दों पर बीजेपी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर हमले किए।

उन्होंने कहा कि अंडे क्लास ए प्रोटीन हैं और बताया कि सोया ही एकमात्र फर्स्ट-क्लास नॉन-एनिमल प्रोटीन है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि बच्चों को यह पसंद नहीं आता।

आत्मचिंतन करने की जरूरत, कराची विस्फोट पर भारत ने की पाकिस्तान की कड़ी आलोचना

नई दिल्ली/ जीएनएस। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कराची में हुए हालिया आतंकवादी हमले पर कड़ी निंदा जताई। इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तान के आरोपों को खारिज कर दिया और इस्लामाबाद को सलाह दी कि वह उंगली उठाने के बजाय आतंकवाद के खिलाफ विश्वसनीय कार्रवाई करे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान को आतंकवाद पर निर्भर रहने की अपनी आदत से मुक्ति लेनी चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने कराची में हुई हालिया घटना के संबंध में भारत पर निराधार आरोप लगाने वाली पाकिस्तानी रिपोर्टें देखी हैं। हम इन्हें पूरी तरह से खारिज करते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जायसवाल ने कहा कि दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय, पाकिस्तान को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। पाकिस्तान को अपने क्षेत्र में मौजूद खुद के पाले हुए आतंकी ढांचे के खिलाफ ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। बता दें कि शनिवार रात पाकिस्तान के कराची शहर में स्थित अर्धसैनिक बल बार्डर रेंजर के मुख्यालय पर आत्मघाती हमले में चार जवान मारे गए और कई घायल हुए हैं। बताया गया है कि विस्फोटकों के भरा वाहन मुख्यालय भवन से टकराया गया। इसके चलते पहले विस्फोट की आवाज आई और उसके बाद फायरिंग हुई।इतना ही नहीं पता चला है कि काफी देर तक दोनों ओर से फायरिंग होने के बाद स्थिति नियंत्रण में आई।

तीन चरमपंथी भी मारे गए- न्यूज एजेंसी रायटर के अनुसार हमले में शामिल तीन चरमपंथी भी मारे गए हैं। जिस जगह पर यह घटना हुई उसके नजदीक ही कई विश्वविद्यालय और मौसम विभाग का कार्यालय भी है।

भाजपा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को किया नमन, बूथों पर सुना मन की बात, 2097 बूथों पर हुआ डिजिटल प्रशिक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी द्वारा रविवार को जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के संस्मरण कार्यक्रम के अंतर्गत नगर के सभी बूथों पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 135वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण भी किया गया। कार्यक्रम के बाद पार्टी के डिजिटल लर्निंग अभियान के तहत 2097 बूथों पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया।

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की नीतियों का विरोध करते हुए डॉ. मुखर्जी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया और भारतीय जनसंघ की स्थापना की। उन्होंने कश्मीर में लागू परमिट व्यवस्था और धारा 370 का विरोध करते हुए ÷एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे÷ का नारा दिया। सुमित मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कश्मीर से धारा 370 हटाकर डॉ. मुखर्जी के संकल्प को साकार किया और एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण जिले के विभिन्न बूथों पर किया गया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने राऊ विधानसभा के ग्राम पंचायत नैनोद स्थित बूथ क्रमांक 103 पर कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम सुना। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, नगर प्रभारी राजेश सोलंकी और विधायक गोलू शुक्ला ने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 3 के वार्ड 59 के बूथ क्रमांक 86 पर कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात का श्रवण किया। इस अवसर पर बंटी वर्मा, पार्षद रूपाली पेंढाकर, आशीष दाणेज, सचिन जोशी, यश भागवती, दीपेश पचौरी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सांसद शंकर लालवानी ने साकेत नगर स्थित अपने गृह वार्ड में बूथ अध्यक्ष मनीष शर्मा के निवास पर कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम सुना। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने महापौर सचिवालय में मन की बात के 135वें एपिसोड का श्रवण किया। विधायक रमेश मेंदोला ने वार्ड क्रमांक 31 के बूथ क्रमांक 214 पर कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम में भाग लिया, जबकि विधायक मालिनी गौड़ ने बूथ क्रमांक 157 और विधायक मधु वर्मा ने राऊ विधानसभा के वार्ड क्रमांक 76 में कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात सुनी।

कार्यक्रम के उपरांत भाजपा के डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से बूथ समितियों एवं प्राथमिक सदस्यों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। 2097 बूथों पर आयोजित इस अभियान में संगठन एवं सरल एप के माध्यम से कार्यकर्ताओं को भाजपा का इतिहास, मोदी सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं, नमो एप तथा संगठन के प्रमुख कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर कार्यकर्ताओं को डिजिटल प्रमाण-पत्र भी उपलब्ध कराए गए। साथ ही संगठन की कार्यप्रणाली, वैचारिक आधार, डिजिटल सशक्तिकरण और आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर भी मार्गदर्शन दिया गया।

आरटीओ इंदौर द्वारा पाँच यात्री बसें जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। परिवहन आयुक्त श्री उमेश जोगा और इंदौर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर आरटीओ इंदौर और संभागीय परिवहन उड़नदस्ता इंदौर ने यात्री बसों और अन्य वाहनो के विरुद्ध कार्यवाही कर पाँच यात्री बसे जब्त की । आरटीओ द्वारा तीन इमली चौराहे पर यात्री वाहनों की सघन जांच की गई। जांच में वाहनो के परमिट ,फिटनेस ,बीमा सहित सभी दस्तावेज चेक किये गए। वाहनों का निरीक्षण भी किया गया जिसमें चेक किया गया की वाहन फिटनेस शर्तो, परमिट शर्तों का उल्लंघन तो नहीं कर रहा है। फायर सेफ्टी उपकरण ,स्पीड गवर्नर सही से काम तो कर रहे है। साथ ही यात्रियों से फीडबैक भी लिया गया की वाहन चालक, वाहन को तेज गति से तो नही चलाते है, या वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग तो नहीं करते है। उक्त कार्यवाही आरटीओ प्रदीप शर्मा,परिवहन उड़नदस्ता प्रभारी आकाश सिटोले द्वारा की गई इसके साथ ही बताया कि यात्री बसों और स्कूल/शैक्षणिक संस्था बसों में सुरक्षा मानको की पूर्ति सुनिश्चित कराये जाने हेतु इंदौर जिले में स्थित स्कूली/कॉलेज के वाहनों की आक्समिक चेकिंग अभियान निरंतर जारी रहेगा।

तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मुख्य आतिथ्य में शासकीय पॉलीक्लिनिक हुकुमचंद परिसर में किया गया। अभियान की शुरुआत छोटे बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाकर की गई। इस अवसर पर कलेक्टर श्री वर्मा ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं और इस जनजागरूकता अभियान में भागीदार बनें। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि इंदौर आने वाली पीढ़ी के स्वास्थ्य को लेकर सजग है और पोलियो उन्मूलन के लिए यह अभियान बेहद महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान जागरूकता के लिए निकाली गई ऑटो रैली को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साथ ही उन्होंने हुकुमचंद पॉलीक्लिनिक, रेबीज टीकाकरण केंद्र, नियमित टीकाकरण केंद्र, आदर्श टीकाकरण केंद्र और डायलिसिस यूनिट का निरीक्षण भी किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि जिले में 0 से 5 वर्ष तक के लगभग 5 लाख से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। पहले दिन बूथों पर बच्चों को दवा पिलाई गई, जबकि अगले दो दिनों तक घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों तक टीम पहुंचेगी। पोलियो निरोधक दवा की खुराक देने के लिए जिले में 3600 से अधिक बूथ बनाए गए, मोबाइल टीमों और 8 हजार से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती की गई । अभियान के तहत विशेष ध्यान हाई रिस्क क्षेत्रों, मलिन बस्तियों, निर्माण स्थलों, घुमंतू आबादी तथा रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड जैसे ट्रांजिट प्वाइंट्स पर दिया जाएगा, ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रह जाए।

इंदौर में सपना-संगीता रोड पर दिखावे के लिए तलघर में पार्किंग के बोर्ड

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सपना-संगीता की पूरी सड़क पर राहगीरों के लिए फुटपाथ बनी हुई हैं। फिर भी इस पूरे रास्ते से पैदल गुजरने वाले व्यक्ति सड़क पर दौड़ती गाड़ियों के बीच अपनी राह तलाशते नजर आ जाते हैं। टॉवर चौराहे से लेकर अग्रसेन चौराहे तक के पूरे रास्ते को नापा जाए तो कहीं भी फुटपाथ कब्जों और पार्किंग से मुक्त नहीं दिखती। खास बात ये कि इस पूरी सड़क पर स्थित व्यवसायिक ईमारतों ने अपने सामने बीते दिनों से बोर्ड टांग दिए हैं कि तलघर में पार्किंग है। असलियत ये है कि बोर्ड सिर्फ निगम की कार्रवाई की ढाल के तौर दिखाए के लिए लगाए गए हैं।

सपना-संगीता रोड की सभी ईमारतों ने पूरी तरह फुटपाथ पर कब्जा किया हुआ है। टॉवर चौराहे से आगे बढ़ते ही पहले गाड़ियों की पार्किंग के लिए फुटपाथ का इस्तेमाल होता हुआ दिखता है। मनमानी सिर्फ इतनी भर नहीं है। कुछ दुकान और व्यवसायिक ईमारत वालों ने फुटपाथ पर खूंटी गाड़ कर रस्सी बांधी दी है।

आम लोग फुटपाथ का उपयोग ना कर सके इसलिए यह कवायद की जा रही है। पूरे क्षेत्र में नगर निगम यदा-कदा दिखावे की कार्रवाई करती है।

हालांकि फुटपाथ से कब्जा हटाने की मंशा नगर निगम की भी नहीं दिखती। यह इसी से साबित होता है कि बीते कई महीनों से आज तक क्षेत्र में फुटपाथ और सड़क की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ सपना-संगीता रोड पर गलत पार्किंग और फुटपाथ पर कब्जे के मामले में ट्रेफिक पुलिस भी असहाय नजर आ रही है। शुक्रवार को भी ट्रेफिक पुलिस की क्रेन सड़क पर की गई पार्किंग पर कार्रवाई करने निकली।

'Pedal for Safety, Pedal for Awareness' साइक्लोथॉन से इंदौर पुलिस ने दिया साइबर सुरक्षा का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर अपराधों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस के स्ड्ढद्ग ष्ट्यद्बष्द्म 2.0 अभियान के तहत इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा रविवार को Pedal for Safety, Pedal for Awareness थीम पर साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बच्चों, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित जीवन का संदेश दिया।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में आयोजित इस साइक्लोथॉन का उद्देश्य नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) आर.के. सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त (अपराध) राजेश त्रिपाठी, पुलिस उपायुक्त जोन-03 अभिषेक रंजन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अपराध मीना चौहान सहित विभिन्न एसीपी, थाना प्रभारी एवं पुलिस अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

साइक्लोथॉन में शहर के नागरिकों, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजन की खास बात यह रही कि छोटे बच्चों से लेकर लगभग 70 वर्ष के वरिष्ठ नागरिकों तक ने इसमें भागीदारी निभाई। महिलाओं और युवाओं ने भी साइकिल रैली के माध्यम से साइबर सुरक्षा का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

रैली प्रारंभ होने से पहले प्रतिभागियों ने जोश और उत्साह के साथ जुम्बा सेशन में भाग लेकर वॉर्म-अप किया। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह ने हरी झंडी दिखाकर साइक्लोथॉन को रवाना किया। रैली आई लव इंदौर सेल्फी प्वाइंट (पलासिया) से शुरू होकर घंटाघर, हाईकोर्ट, रीगल चौराहा और राजवाड़ा होते हुए पुनः पलासिया पहुंचकर संपन्न हुई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह ने कहा कि डिजिटल युग में साइबर अपराध लगातार नए-नए स्वरूप में सामने आ रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक का साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक होना बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वयं सतर्क रहें और अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के अन्य लोगों को भी ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट और सोशल मीडिया धोखाधड़ी जैसे साइबर अपराधों से बचने के लिए जागरूक करें।

साइक्लोथॉन के समापन पर साइबर सुरक्षा विषय पर प्रश्नोत्तरी (क्विज़) का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सही उत्तर दिए। विजेताओं को फूल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले प्रतिभागियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और सहयोगियों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

इंदौर पुलिस ने इस अवसर पर नागरिकों से अपील की कि डिजिटल दुनिया में सतर्कता और जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। सोचें, समझें और फिर क्लिक करें के संदेश के साथ पुलिस ने सभी से हमेशा Safe Click अपनाने का आग्रह किया।

गुलाब बाग पेट्रोल पंप हत्याकांड का मुख्य आरोपी गुलशन यादव गिरफ्तार, हत्या में शामिल सभी आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना लसूड़िया क्षेत्र में 21 मई 2026 को गुलाब बाग पेट्रोल पंप के सामने हुई चर्चित अभि उर्फ अभितेंद्र तोमर हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी गुलशन यादव सहित हत्या में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को संरक्षण देने और फरार होने में सहायता करने वाले छह अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, मारपीट, अवैध वसूली और आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर आपराधिक मामले विभिन्न जिलों में दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार 21 मई 2026 की रात करीब 10ः30 बजे गुलाब बाग पेट्रोल पंप के सामने भिंड निवासी अभि उर्फ अभितेंद्र तोमर की पुरानी रंजिश के चलते गुलशन यादव, डीलू उर्फ चंद्रकांत लहारिया, गौरव जाटव, पीयूष गुर्जर और सत्यबीर मौर्य ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में थाना लसूड़िया में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं एवं आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमन सिंह राठौर के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। आरोपियों की गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने पीयूष उर्फ दद्दु गुर्जर, सत्यबीर उर्फ सत्ते जाटव, चंद्रकांत उर्फ डीलू लहारिया और गौरव जाटव को अलग-अलग तिथियों में गिरफ्तार किया। वहीं आरोपियों को संरक्षण देने और फरार कराने में मदद करने वाले नरेश जाटव, भानु गुर्जर, गौरव मौर्य उर्फ संजू, तुलसीराम जाटव, राजेंद्र शर्मा और प्रीति लहरिया को भी गिरफ्तार किया गया।

मुख्य आरोपी गुलशन यादव घटना के बाद लगातार फरार था। पुलिस को सूचना मिली कि वह अग्रिम जमानत के लिए इंदौर आने वाला है। इसके आधार पर 26 जून 2026 को विजय नगर क्षेत्र से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में गुलशन यादव ने बताया कि उसने अपने भाई विष्णु यादव की हत्या का बदला लेने के लिए साथियों के साथ मिलकर अभि उर्फ अभितेंद्र तोमर की हत्या की थी। घटना के बाद सभी आरोपी अलग-अलग स्थानों पर चले गए। गुलशन पहले अहमदाबाद पहुंचा और बाद में ट्रेन से रामेश्वरम की ओर चला गया था।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक रॉयल एनफील्ड बुलेट मोटरसाइकिल, एक .315 बोर की बंदूक और दो देशी कट्टे जब्त किए हैं। पुलिस ने मुख्य आरोपी का न्यायालय से रिमांड प्राप्त किया है। घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल की बरामदगी और मामले के अन्य पहलुओं को लेकर उससे विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

30 जून 1857 को इंदौर में हुआ था अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बात साल 1857 की है। 30 जून को एक परिचारक ने कर्नल ड्युडरनेक को सूचित किया कि रेसीडेंसी क्षेत्र में सुबह विद्रोह होने की आशंका है, किंतु ड्युडरनेक ने उस व्यक्ति को दुत्कार के भगा दिया। एक जुलाई की सुबह को विद्रोह भड़क उठा। ड्युडरनेक ने इंदौर रेसीडेंसी कोठी के खजाने की मूल्यवान वस्तुओं को उठाकर महू दुर्ग भेजने के आदेश दिए। कर्नल ड्युडरनेक अपनी टेबल के पास बैठा कुछ लिख रहा था कि उसे अचानक शोरगुल सुनाई दिया। संदेश वाहक ने सूचना दी कि बाजार में उपद्रव हो गया है। जैसे ही ड्युडरनेक रेसीडेंसी कोठी की सीढ़ियों के पास आया होलकर की सेना ने तोप से तीन गोले दाग दिए। होलकर सेना ने सुबह लगभग 8ः40 बजे रेसीडेंसी पर आक्रमण किया।

इतिहास अध्येता सुनील मतकर के अनुसार इस विद्रोह के प्रमुख नेता सआदत खान, वंश गोपाल, हर्षराव सिंह, भागीरथ, अब्दुल समद आदि थे। सआदत खान और वंश गोपाल कर रहे थे। आठ घुड़सवारों के साथ रेसीडेंसी कोठी की ओर बढ़े तथा घोड़े पर ही चिल्लाते हुए बोले ड्युडरनेक आ रहा है तैयार हो जाओ, आगे बढ़ो सारे अंग्रेजों को मार डालो, यह महाराज का आदेश है।

तोपें कब्जे में ले लीं- होलकर राज्य के दरबारी की टुकड़ियों ने तुरंत ही उसका उत्तर दिया। होलकर सेना की टुकड़ियों की दो कंपनियां तीन तोपों से नौ पौंड के गोले दाग रही थी। होलकर राज्य के पैदल सैनिकों और नागरिकों ने मिलकर 29 अंग्रेजों को जिसमें यूरोपियन, यूरेशियन पुरुष, महिला व बच्चे थे उनको मार दिया। सआदत खान को घायल कर कुछ क्षणों के लिए तोपों पर अधिकार कर लिया, किन्तु होलकर सेना ने फिर से अपनी तोपें कब्जे में ले लीं। महिदपुर की पैदल सेना ने ड्युडरनेक का आदेश मानने से इनकार कर दिया। भील सैनिकों ने भी अंग्रेजों की ओर से लड़ने के लिए इनकार कर दिया। ड्युडरनेक ने रेसीडेंसी कोठी छोड़ने का निर्णय लिया और महिलाओं व बच्चों को पिछले दरवाजे से बाहर कर दिया।

बिना अनुमति आयोजित पार्टी पर लसूड़िया पुलिस की कार्रवाई, छह लोगों पर मामला दर्ज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस आयुक्त द्वारा जारी आदेशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए इंदौर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में थाना लसूड़िया पुलिस ने बिना अनुमति आयोजित किए जा रहे एक इवेंट पर कार्रवाई करते हुए छह लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार 27 जून 2026 को सूचना मिली थी कि भवन स्कूल के पास तुलसी नगर स्थित एक मकान में बिना किसी वैधानिक अनुमति के पार्टी आयोजित की जा रही है, जहां बड़ी संख्या में युवक-युवतियां एकत्रित हैं। सूचना मिलते ही थाना लसूड़िया पुलिस मौके पर पहुंची, जहां करीब 25 से 30 युवक-युवतियां पार्टी में शामिल मिले।

जांच के दौरान मौके पर मौजूद आयोजकों की पहचान दुर्गेश राघव, प्रिंस प्रजापति, हर्षित राजानी, नीतू कुशवाह और आकांक्षा मरापे के रूप में हुई। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि कार्यक्रम के आयोजन के लिए किसी सक्षम प्राधिकारी से अनुमति नहीं ली गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि आयोजन के लिए मकान एयरबीएनबी (Airbnb) के माध्यम से किराए पर लिया गया था।

मकान उपलब्ध कराने वाले नमन पांडे से पूछताछ में सामने आया कि उन्होंने किरायेदारों की जानकारी संबंधित थाना पुलिस को उपलब्ध नहीं कराई थी, जो नियमानुसार आवश्यक है।

प्रथम दृष्टया पुलिस आयुक्त इंदौर द्वारा जारी आदेशों का उल्लंघन पाए जाने पर थाना लसूड़िया में अपराध क्रमांक 1047/2026 दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत छह आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

इंदौर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम, पार्टी अथवा इवेंट के आयोजन से पहले आवश्यक वैधानिक अनुमति अवश्य प्राप्त करें। साथ ही मकान किराए पर देने वाले व्यक्ति भी किरायेदारों की जानकारी संबंधित थाना पुलिस को उपलब्ध कराएं। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा आयोजित 45 दिवसीय शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026 का समापन

200 युवाओं को प्रशिक्षण उपरांत प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा आयोजित 45 दिवसीय आवासीय अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं हेतु शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026 का इंदौर के एक निजी महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में भव्य एवं गरिमामय समारोह के साथ समापन हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और कर्तव्य बोध विकसित कर उन्हें सैन्य बल, पुलिस, होमगार्ड एवं अन्य सुरक्षा बलों में भर्ती के लिए तैयार करना है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय वायु सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी श्री धर्मेंद्र सिंह झाला , नायब सूबेदार एवं एनएसजी कमांडो श्री रघुवीर सिंह तथा पुलिस उप निरीक्षक श्री शिवम ठक्कर उपस्थित थे ।

अतिथियों ने अपने उद्बोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को न केवल सैन्य भर्ती चयन परीक्षा के संबंध में मार्गदर्शन दिया बल्कि उन्हें देश सेवा के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों ने अपने पैंतालीस दिवसीय प्रशिक्षण के अपने अनुभव साझा किए और प्रशिक्षण योजना अंतर्गत शारीरिक एवं शैक्षिक प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना की , सहायक संचालक श्री अनिल सोनी ने प्रशिक्षण के उद्देश्य एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी दी ।

कार्यक्रम के स्वागत सत्र में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने समस्त आमंत्रित अतिथियों तथा प्रशिक्षकों में विशेष रूप से श्रीमती लीना श्रीवास, श्री रोहित जायसवाल, श्री नितिन छारी, श्रीमती हर्षिता, श्री अमित सोनी व अन्य प्रशिक्षकों को उनकी श्रेष्ठ सेवाओं के लिए शाल श्रीफल से सम्मान किया ।

सहायक संचालक श्री सोनी ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान योग्य ट्रेनर्स के माध्यम से प्रतिदिन 4 घंटे का सैद्धांतिक प्रशिक्षण (सामान्य ज्ञान, तर्कशक्ति, गणित, कंप्यूटर व अंग्रेजी) और प्रतिदिन सुबह शाम मिलाकर 3 घंटे का शारीरिक प्रशिक्षण (दौड़, ऊंची-कूद, लंबी कूद, गोला फेंक आदि) प्रदान किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को निःशुल्क आवासीय व्यवस्था, भोजन एवं अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही पात्र पुरुष प्रशिक्षणार्थियों को 1000/- प्रतिमाह तथा महिला प्रशिक्षणार्थियों को 1100/- प्रतिमाह की दर से शिष्यवृत्ति भी प्रदान की जा रही है।

राज्यपाल श्री पटेल ने खरगोन के झिरन्या में एंबुलेंस एवं ब्लड बैंक की सौगात दी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने रविवार को खरगोन के झिरन्या में सिकलसेल शिविर के दौरान ब्लड बैंक का शुभारंभ करते हुए स्वास्थ्य विभाग को दो नवीन एंबुलेंस और एक शव वाहन प्रदान किया है। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल ने जनजाति समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक सिकलसेल बीमारी के उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए मरीजों के उपचार के साथ-साथ जनजागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है। राज्यपाल श्री पटेल ने रंजना एवं संजना को सिकलसेल प्रमाण पत्र प्रदान किये। वहीं क्षय रोगी थावली बाई व बिल्लोर को फूड बास्केट भेंट की। कार्यक्रम में पंधाना की विधायक श्रीमती छाया मोरे, खरगोन विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार, महेश्वर विधायक श्री राजकुमार मेव, श्रीमती नंदा ब्राह्मणे,कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल एवं पुलिस अधीक्षक श्री रवींद्र वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नीमच में आज करेंगे 1,554 करोड़ की 38 औद्योगिक परियोजनाओं का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

30 इकाइयों का होगा भूमिपूजन, 8 इकाइयों का लोकार्पण, 3201 रोजगार का सृजन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव 29 जून को नीमच जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे जिले में 1,553.98 करोड़ के प्रस्तावित निवेश वाली 38 औद्योगिक परियोजनाओं का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम में 30 नई औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन तथा 8 इकाइयों का लोकार्पण किया जाएगा। इन परियोजनाओं के माध्यम से 3201 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इनमें एमपीआईडीसी की 15 परियोजनाओं के साथ एमएसएमई विभाग की 23 औद्योगिक इकाइयां भी शामिल हैं, जो जिले के औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेंगी।

प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश सरकार की उद्योग एवं निवेश प्रोत्साहन नीतियों, रोजगार सृजन तथा विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में औद्योगिक विकास की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। वे निवेशकों को मध्यप्रदेश में उपलब्ध उद्योग अनुकूल वातावरण, बेहतर अधोसंरचना तथा पारदर्शी एवं समयबद्ध अनुमतियों की व्यवस्था से भी अवगत कराएंगे।

कार्यक्रम में जिन प्रमुख परियोजनाओं का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा, उनमें धानुका बायोटेक की लगभग 1,247.71 करोड़ निवेश वाली सोलर टेम्पर्ड ग्लास निर्माण इकाई सबसे बड़ी परियोजना है, जिससे 1690 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके अलावा बाबजी इंडस्ट्रियल की 81.30 करोड़ लागत की पॉलिएस्टर स्टेपल फाइबर इकाई, विश्वेश्वरा डेनिम प्रा. लि. की 66 करोड़ लागत की अपैरल एवं टेक्सटाइल इकाई तथा बिग सी रिन्यूएबल एनर्जी की 61 करोड़ निवेश वाली बायो-सीएनजी परियोजना प्रमुख हैं। वहीं श्रीवीर इंफ्रा बिल्ड सोल्यूशंस प्रा. लि. की 31.50 करोड़ लागत की सीमेंट उत्पाद निर्माण इकाई, एस.एन. फैब्रिक्स, बेतूल फैब्रिकेशन, सिंघल इंटरनेशनल, गर्ग कैटल फीड, कृष्णा ट्रेडिंग कंपनी, विनटेक्स मल्टीक्राफ्ट, जे.के. सुपर इंजीनियरिंग, देवेंद्र वुडन फर्नीचर, वीनी प्रोडक्ट्स, नीरज कुमार निकेश कुमार तथा ब्राइट इंडस्ट्रीज सहित अनेक औद्योगिक इकाइयों का शुभारंभ भी प्रस्तावित है।

एमएसएमई विभाग की परियोजनाओं में खाद्य प्रसंस्करण, मसाला प्रसंस्करण, एग्रो फूड्स, प्लास्टिक उत्पाद, सीमेंट उत्पाद, फेंसिंग वायर, हर्बल प्रोसेसिंग, पीपी ग्रेन्यूल्स, पोल्ट्री फीड तथा अन्य विनिर्माण इकाइयों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा। इन परियोजनाओं से स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा मिलने के साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के विस्तार को भी नई गति मिलेगी।

कार्यक्रम के अंतर्गत एमपीआईडीसी की 15 परियोजनाओं में लगभग 1,502.31 करोड़ का निवेश तथा 2753 रोजगार, जबकि एमएसएमई विभाग की 23 परियोजनाओं में लगभग 51.67 करोड़ का निवेश एवं 448 रोजगार प्रस्तावित हैं। इस प्रकार कुल 38 परियोजनाओं में 1,553.98 करोड़ के निवेश से 3201 रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

नीमच में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम जिले को ग्रीन एनर्जी, टेक्सटाइल, एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग, इंजीनियरिंग, मेडिकल डिवाइस तथा आधुनिक विनिर्माण क्षेत्रों में नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रदेश सरकार की उद्योग हितैषी नीतियों, इन्वेस्ट एमपी पहल तथा सिंगल विंडो प्रणाली के माध्यम से निवेशकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रस्तावित परियोजनाओं से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास तथा स्वरोजगार के नए अवसर विकसित होंगे और नीमच के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। यह जानकारी एमपीआईडीसी कार्यालय उज्जैन से प्राप्त हुई है।

नीमच में 39.23 करोड़ की लागत से सांदीपनि विद्यालय निर्माण के लिए लेआउट कार्य पूर्ण, शीघ्र होगा निर्माण प्रारंभ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में शिक्षा के स्तर को उन्नत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 39.23 करोड़ की लागत से निर्मित किए जा रहे सांदीपनि विद्यालय, नीमच के निर्माण कार्य हेतु क्रमांक-2 में लेआउट किया गया है।

परियोजना क्रियान्वयन इकाई के इंजीनियर श्री रिंकू चौहान ने बताया, कि इस परियोजना की लागत 39.23 करोड़ की लागत से बनने वाला यह विद्यालय आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। इसका उद्देश्य जिले के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर अधोसंरचना उपलब्ध कराना है।

लेआउट पूर्ण- निर्माण कार्य प्रारंभ करने से पूर्व, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 में स्थल का लेआउट पूर्ण कर लिया गया है। अब शीघ्र ही भवन निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

सांदीपनि विद्यालय नीमच के निर्माण से विद्यार्थियों को आधुनिक कक्षाएं, प्रयोगशालाएं एवं खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे शिक्षा का स्तर और बेहतर होगा।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने नीमच एवं खिमला में मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने रविवार को नीमच हवाई पट्टी पर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के आमसभा लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम तथा खिमला में ग्रीनको प्रोजेक्ट की साईड विजीट कार्यक्रम की प्रशासनिक तैयारियों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने आमसभा स्थल नीमच पर मंच निर्माण व्यवस्था ग्रीन रूम निर्माण हितग्राहियों, जनप्रतिनिधियों, पुरूषों एवं महिलाओं व मीडिया के लिए अलग अलग सेक्टर निर्माण कार्य, प्रवेश एवं निकासी की व्यवस्था तथा वाहनों की पार्किंग व्यवस्था, पेयजल एवं साफ-सफाई व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था सहित अन्य प्रबंधों का अवलोकन किया और अधिकारियों को सभी आवश्यक प्रबंध समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने खिमला में हेलीपेड, प्रोजेक्ट की साईड विजीट के व्यू पाईंड एवं संवाद स्थल का निरीक्षण कर, व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रतलाम रेंज के डीआईजी श्री निमिष अग्रवाल, एसपी श्री राजेश व्यास ने भी नीमच में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। इस मौके पर सभा स्थल पर डीआईजी एवं एसपी की उपस्थिति में पुलिस अधिकारी, जवानों की ब्रीफींग भी की गई। इस मौके पर एडीएम श्री बी.एस.कलेश एवं डीएफओ श्री एस.के.अटोदे एवं अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल - जावद एसडीओपी रोहित राठौर का तबादला, हर्ष राठौर होंगे नए एसडीओपी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के गृह विभाग ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) एवं राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों के तबादलों की सूची जारी करते हुए प्रदेशभर में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। जारी आदेश के तहत नीमच जिले के जावद अनुभाग में भी एसडीओपी का बदलाव किया गया है। आदेश के अनुसार, जावद के वर्तमान एसडीओपी रोहित राठौर का तबादला कर उन्हें सहायक सेनानी, हॉकफोर्स बालाघाट पदस्थ किया गया है। वहीं छतरपुर में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थ हर्ष राठौर को जावद का नया एसडीओपी नियुक्त किया गया है। गृह विभाग द्वारा जारी यह तबादला आदेश 27 जून 2026 से प्रभावी माना जाएगा। पुलिस महकमे में हुए इस बदलाव के बाद जावद अनुभाग में नए नेतृत्व के साथ कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग को लेकर नई कार्यशैली देखने को मिल सकती है।

कोतवाली की नाकामी, मर्डर मामले में नामजद आरोपियों का नहीं मिला सुराग, तफ्तीश जारी

रात्रि में प्रभा विहार में हुई चाकूबाजी, मंदसौर बन रहा संवेदनशील क्षेत्र

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के अभिनंदन कॉलोनी में बावड़ी वाले बालाजी स्थान के समीप शनिवार सुबह चाकूबाजी एवं लोहे की रॉड से हुई हत्या के मामले में नामजद चारों आरोपियों का सुराग कोतवाली पुलिस को रविवार रात्रि तक नहीं मिल सका है। कोतवाली की टीम सहित पुलिस महकमा आरोपियों की निशानदेही के लिए भरसक प्रयास में है, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी है। इस मामले में संदेही आरोपी के संबंध में सीसीटीवी फूटेज खोजने के प्रयास किए जा रहे हैं। मामले में फरियादी पक्ष की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने चार नामजद आरोपियों सहित अन्य के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार मृतक रवि पिता किशन माली प्रतिदिन की तरह अपने घर कर्मचारी कॉलोनी से खेत पर फूल तोड़ने गए थे। वापिस लौटते समय ही पहले से घात लगाए चार-छह बदमाशों ने घेरकर उनका मर्डर कर दिया था। रवि की हत्या का प्रथम दृष्टया एंगल अप्रैल माह में गांधी चौराहे पर हुए युवक अरुण वर्मा के मर्डरकांड से जोड़ा गया है। इसमें मृतक रवि के बेटे युवराज माली पर हत्या का आरोप है, जो जेल में साथी सहित बंद है। इसी दुश्मनी में रवि माली की हत्या होना उजागर हुआ है। ढाई महीने बाद हुई फिर हत्या से मंदसौर शहर में लोगों के दिमाग में सनसनी उपजती रही है। पुलिस की जांच इसी दिशा में आगे चल रही है, लेकिन आरोपियों का सुराग जुटाने में कोतवाली पुलिस रविवार रात्रि तक विफल रही है। मामले में मृतक के परिजनों एवं माली समाज ने शनिवार दोपहर में हत्यारों को शीघ्र पकड़ने हेतु गांधी चौराहे पर चक्काजाम कर ज्ञापन सौंपा था। कोतवाली पुलिस के अनुसार यशवंत उर्फ यश निवासी बालागंज, राज वर्मा, आकाश वर्मा एवं विकास वर्मा व अन्य पर धारा 302, 34 में प्रकरण दर्ज है। इस संबंध में सीएसपी जितेन्द्र भास्कर ने बताया कि आरोपियों की खोजबीन की जा रही है। शीघ्र हिरासत में लेने हेतु प्रयासरत हैं। एएसपी तेरसिंह बघेल ने बताया कि नामजद आरोपी हैं, जिन्हें ढूंढने हेतु टीमें लगाई गई है। अभी आरोपी नहीं मिल पाए हैं।

विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार ने किया तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

नगरवासियों से की 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को दो बूंद जिंदगी की पिलाने की अपील

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत आज जिले में तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान का विधिवत शुभारंभ हुआ। स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार द्वारा बच्चों को पोलियो की खुराक (दो बूंद जिंदगी की) पिलाकर इस महाअभियान की शुरुआत (उद्घाटन) की गई।

अभियान के शुभारंभ के अवसर पर विधायक श्री परिहार ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को पोलियो मुक्त बनाए रखने में इस अभियान की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने नगर के सभी जागरूक नागरिकों से अपील करते हुए कहा 0 से 5 वर्ष तक की आयु के कोई भी बच्चे पोलियो की खुराक से वंचित न रहें। सभी माता-पिता अपने नजदीकी पोलियो केंद्र पर जाकर अपने बच्चों को दो बूंद जिंदगी की अवश्य पिलाएं और देश के इस सुरक्षित भविष्य के निर्माण में अपनी सहभागिता दर्ज कराएं।

इस कार्यक्रम में डॉ. दिनेश प्रसाद , डॉ. महेंद्र पाटिल, डॉ. मनीष यादव साथ ही अभियान को जमीनी स्तर पर सफल बनाने वाले जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर, जिला वैक्सीन कोल्ड चैन मैनेजर, जिला कोल्ड चैन टेक्नीशियन, जिला वैक्सीन स्टोर मैनेजर सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे।

यह अभियान अगले तीन दिनों तक निरंतर चलेगा, जिसके तहत छूटे हुए बच्चों को घर-घर जाकर भी दवा पिलाई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने सभी नागरिकों से अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने का अनुरोध किया है।

सुवासरा नगर और थाना क्षेत्र में चोरों की धमाल, गश्त पर उठे सवाल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा नगर में बढ़ती चोरियो की वारदातो ने एक बार फिर जनता के मन में भय का माहौल बना दिया। बीती रात्रि में नगर में करीब 10 अलग अलग स्थानों पर अज्ञात चोरो ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बस स्टेण्ड क्षेत्र में अनाज व्यापारी जुगल वेद के घर के बाहर खड़े 709 लोडिंग वाहन से बैटरी और डीजल पर करीब 18 हजार रुपए पर हाथ साफ किया। इसके साथ ही नगर के रूनीजा मार्ग पर स्थित शनि मंदिर का मुख्य द्वार और दानपात्र तोड़कर करीब 12 हजार की नगदी राशि चुरा ले गये। वहीं रूनीजा रोड़ और शामगढ़ रोड़ स्थित नायरा पेट्रोल पम्प पर खड़े पांच अलग अलग ट्रैक्टरों से बैटरी चुरा ले गये। रूनीजा रोड़ स्थित नारकोटिक्स विभाग मंदसौर मे पदस्थ आरक्षक पिरूलाल सोनी के घर के बाहर खड़ी कार के व्हील केप चोरी करते हुए चोर सीसीटीवी कैमरे मे केद हो गये। इसके अलावा नगर के अन्य स्थानों पर खड़े वाहनो से बैटरी और अन्य सामग्री अज्ञात चोर ले गये। इसके साथ ही पावर हॉउस के सामने स्थित राम मंदिर का ताला तोड़कर दानपात्र चुराने का असफल प्रयास किया। बता दें कि क्षेत्र में फिर से चोरो का आतंक बढ़ने लगा है। पहले हुई चोरियो का पुलिस आज तक पता नही लगा पायी और अब फिर से चोरो की बढ़ती गतिविधियों ने नगर की जनता को परेशानी में डाल दिया। पुलिस की सुस्ती से चोरो के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। आये दिन नगर के मुख्य मार्गो से

दो पहिया वाहनों पर भी चोरो की सेंधमारी जारी है। स्थानीय विधायक के गृह नगर में चोरी की बढ़ती वारदातो ने शासन, प्रशासन की कार्यप्रणाली को उजागर कर दिया। नगर में इस बात की चर्चा भी जोरो पर है कि पुलिस की रात्रि गस्त भी फोटो सेल्फी तक सीमित है। जिसका फायदा अपराधी लोग खूब उठा रहे हैं। इतना ही नही नगर में जब भी चोरी होती है तो पुलिस के बड़े अधिकारी भी केवल मौका देख खाना पूर्ति करके निकल जाते है। चोरी की घटना की जानकारी मिलने पर सीतामऊ एसडीओपी दिनेश प्रजापति और थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह बघेल ने नगर में चोरी की वारदातो की अलग अलग जगहों पर जांच पड़ताल की। इस संबंध में सीतामऊ एसडीओपी दिनेश प्रजापति ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देश पर इस मामले पर नगर के सीसीटीवी कैमरे देख रहे हे। जांच चल रही है। जल्द ही चोरो को पकडेंगे।

बांगरेड़ की बदहाल सड़क पर अब उपमुख्यमंत्री से आस, मंदसौर में जगदीश देवड़ा को सौंपा ज्ञापन; ग्रामीणों ने लगाई जल्द निर्माण की गुहार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम बांगरेड़ की वर्षों से बदहाल पड़ी सड़क के निर्माण की मांग को लेकर अब ग्रामीणों ने सीधे मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से गुहार लगाई है। मंदसौर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने उपमुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा और जर्जर सड़क का शीघ्र निर्माण कराने की मांग की।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि ग्राम बांगरेड़, ग्राम पंचायत बांगरेड़, तहसील जावद के अंतर्गत नागेश्वर मंदिर से नई आबादी, लक्ष्मीपुरा, श्मशान घाट एवं बालाजी मंदिर तक जाने वाला मुख्य सड़क मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे होने से दोपहिया और चारपहिया वाहनों का आवागमन बेहद कठिन हो गया है। बरसात के मौसम में सड़क की स्थिति और भी खराब हो जाती है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग पर आसपास के 2 से 3 किलोमीटर क्षेत्र के कई गांवों के लोग निर्भर हैं। ग्राम में संचालित शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय में पढ़ने वाले सैकड़ों छात्र-छात्राएं प्रतिदिन इसी सड़क से होकर आवागमन करते हैं। खराब सड़क के कारण विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि गांव के उप स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने तथा प्रसव एवं गंभीर मरीजों को अस्पताल ले जाने में भी सड़क की खराब स्थिति बड़ी बाधा बन रही है। समय पर एंबुलेंस और अन्य वाहन नहीं पहुंच पाने से मरीजों के जीवन पर भी संकट उत्पन्न हो जाता है।

ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण की मांग को लेकर कई बार स्थानीय प्रशासन एवं संबंधित विभागों को आवेदन दिए जा चुके हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 पर भी कई शिकायतें दर्ज कराई गईं, लेकिन केवल औपचारिक निराकरण कर शिकायतें बंद कर दी गईं और आज तक सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं हो सका।

ग्रामीणों ने उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से जनहित को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभाग को शीघ्र सड़क निर्माण के निर्देश जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह सड़क हजारों ग्रामीणों की जीवनरेखा है और इसके निर्माण से विद्यार्थियों, किसानों, महिलाओं, मरीजों सहित पूरे क्षेत्र की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा।

सुबह के बाद रात्रि में प्रभा विहार में पुत्र को चाकू मारा, पिता पर ईंट से हमला

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली क्षेत्र में चाकू व लोहे की रॉड से हत्या किए जाने की घटना शांत हुई भी नहीं थी कि शनिवार रात्रि 9.30 से 10 बजे के बीच यशोधर्मन नगर थाना क्षेत्र के प्रभा विहार कॉलोनी में चाकूबाजी की वारदात हो गई। लालघाटी रोड़ पर स्थित इस कॉलोनी में आरोपी ने चाकू से बेटे को घायल किया वहीं उसके पिता पर ईंट से भी हमला हुआ। इस तरह मंदसौर में शनिवार सनसनी बनी रही। लगातार चाकूबाजी की घटना से मंदसौर शहरी क्षेत्र संवेदनशील भी बनता दिखाई दे रहा है। यशोधर्मन नगर थाना पुलिस के अनुसार सत्यनारायण पिता भगतराम प्रजापत एवं उसका बेटा मनोज रात्रि में प्रभा विहार स्थित घर पर थे। यहां आरोपी जाबिर पिता शब्बीर खां निवासी प्रभार विहार गाली गलौज कर रहा था, जिसे मना करने पर जाबिर ने सत्यनारायण एवं मनोज के साथ मारपीट की। मनोज को चाकू से घायल किया व सत्यनारायण के सिर में चोट लगी है। पुलिस ने शिकायत पर जाबिर, रेहाना एवं जिशान के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। सीएसपी जितेन्द्र भास्कर ने बताया कि प्रभा विहार मामले में आरोपी की खोजबीन की जा रही है। थाना प्रभारी शिवांशु मालवीय ने बताया कि आरोपी फरार हैं, तलाश जारी है।

चंदन पेड़ कटे मिले, चोर सक्रिय

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ थाना क्षेत्र अंतर्गत चंदन के पेड़ चुराने वाले चोर सक्रिय हैं। पूर्व में जहां तितरोद गांव में वारदात हुई थी, वहीं अब साताखेड़ी चौकी के तहत दीपाखेड़ा व साखतली में चंदन के पेड़ काटने की घटना हुई है। इस संबंध में साताखेड़ी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक मूलचंद धाकड़ ने बताया कि सभी जगह हुई घटना में पतारसी की जा रही है।

23 साल पुराने जर्जर किसान शेड पर बने 32 कैश काउंटर का डिप्टी सीएम ने किया लोकार्पण, 1.77 करोड़ के निर्माण पर उठे कई सवाल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी पिपलिया में रविवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं सांसद सुधीर गुप्ता ने 23 वर्ष पुराने किसान शेड पर बनाए गए 32 नए कैश काउंटर (सैंड्री शॉप) का लोकार्पण किया। करीब 1 करोड़ 77 लाख रुपए की लागत से निर्मित इन कैश काउंटरों को किसानों एवं व्यापारियों को भुगतान संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं मंडी प्रशासन ने इसे किसानों और व्यापारियों के हित में महत्वपूर्ण सुविधा बताया, लेकिन लोकार्पण के साथ ही इस निर्माण को लेकर कई गंभीर सवाल भी सामने आने लगे हैं। मंडी प्रशासन द्वारा जानकारी दी गई कि 32 कैश काउंटरों का आवंटन पारंपरिक नीलामी प्रक्रिया के स्थान

पर टोकन सिस्टम के माध्यम से 32 व्यापारियों को किया गया है। प्रत्येक व्यापारी से लगभग 6 लाख 70 हजार रुपए जमा कराए जा रहे हैं। हालांकि इस प्रक्रिया को लेकर भी व्यापारी वर्ग और आम लोगों के बीच चर्चा बनी हुई है कि आखिर नीलामी के बजाय टोकन प्रणाली क्यों अपनाई गई।

जिस भवन को कभी तोड़ने की योजना बनी, उसी पर कर दिया करोड़ों का निर्माण- इस पूरे मामले का सबसे अहम पहलू यह है कि जिस किसान शेड पर नए कैश काउंटर बनाए गए हैं, उसका निर्माण वर्ष 2003 में हुआ था। लगभग दो दशक पुराने इस भवन की हालत समय के साथ लगातार खराब होती चली गई। बरसात के दिनों में पूरे शेड से पानी टपकता था, कई स्थानों पर प्लास्टर उखड़ चुका था तथा लोहे के सरिए बाहर निकल आए थे। भवन की स्थिति इतनी खराब बताई जाती थी कि कुछ वर्ष पूर्व मंडी प्रशासन ने इसे जर्जर घोषित कर ध्वस्त करने की योजना तैयार की थी। सूत्रों के अनुसार उस समय मंडी बोर्ड से भवन तोड़ने की स्वीकृति नहीं मिल सकी, जिसके कारण प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ पाया। इसके बाद भवन की मरम्मत कराकर उसे उपयोग में लिया जाता रहा है।। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि मरम्मत के बावजूद आज भी कई स्थानों पर दरारें स्पष्ट दिखाई देती हैं तथा कुछ हिस्सों में सरिए बाहर निकले हुए हैं। ऐसे भवन के ऊपर ही करीब 1 करोड़ 77 लाख रुपए की लागत से नए कैश काउंटरों का निर्माण करा दिया गया, जिससे निर्माण की गुणवत्ता एवं सुरक्षा को लेकर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।

टोकन सिस्टम से आवंटन गलत, पुराने भवनों पर रंग-रोगन कर किया जा रहा भ्रष्टाचार- किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द ने आरोप लगाया कि इन कैश काउंटरों के आवंटन की प्रक्रिया भी सवालों के घेरे में है। इनका आवंटन नीलामी के बजाय टोकन सिस्टम के माध्यम से किया गया। आमतौर पर मंडी की दुकानों अथवा व्यावसायिक परिसरों का आवंटन नीलामी प्रक्रिया से किया जाता है, ताकि अधिकतम राजस्व प्राप्त हो सके। ऐसे में टोकन प्रणाली अपनाने के पीछे क्या कारण रहे और इससे मंडी को कितना आर्थिक लाभ या नुकसान हुआ। यह जांच का विषय है। जोकचन्द ने यह भी आरोप लगाया पुराने जर्जर भवनों पर रंग-रोगन कर नया बताकर करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

व्यापारी व्यापारी संघ अध्यक्ष ने कहा बह सही है- मंडी व्यापारी संघ अध्यक्ष कृष्णकुमार भूत ने भवन की स्थिति को लेकर कहा कि पहले किसान शेड काफी खराब हो गया था और बरसात में पानी भरने की समस्या रहती थी, लेकिन मरम्मत के बाद अब भवन पूरी तरह उपयोग योग्य है। उनके अनुसार वर्तमान में किसी प्रकार की परेशानी नहीं है और व्यापारियों को बेहतर सुविधा मिलेगी।

30 मिनट की बारिश ने खोली नगर पालिका के दावों की पोल, गंदे नालों का पानी घरों-दुकानों में घुसा, शहर हुआ जलमग्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को हुई महज 30 मिनट की तेज बारिश ने नगर पालिका की तैयारियों की पोल खोलकर रख दी। शहर के कई प्रमुख इलाकों में नाले उफान पर आ गए और गंदे नालों का पानी घरों, दुकानों और सड़कों पर भर गया, जिससे आमजन और व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

नई आबादी, नयापुरा, शुक्ला चौक, खाल, घंटाघर, नेहरू बस स्टैंड, दया मंदिर रोड, सरदार पटेल चौराहा, कालाखेत, अभिनंदन नगर, पद्मावती रेलवे अंडरब्रिज, मिड इंडिया अंडरब्रिज, नूतन स्कूल रोड, स्टेडियम मार्केट सहित कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई। कई कॉलोनियों में गंदे नालों का पानी घरों और दुकानों में घुस गया, जिससे लोगों का सामान भी खराब हो गया। वहीं कई इलाकों में बिजली आपूर्ति भी घंटों प्रभावित रही। स्टेडियम मार्केट व्यापारी संघ ने प्रशासन से मांग की है कि शहर के ड्रेनेज सिस्टम को तत्काल दुरुस्त किया जाए। उनका कहना है कि अधिकांश नालियों में कचरा और मलबा जमा होने से पानी की निकासी बाधित हो रही है। यदि समय रहते सफाई और सुधार कार्य नहीं कराया गया तो आगामी मानसून में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। व्यापारी संघ और स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से शहर की सभी नालियों की तत्काल सफाई, जल निकासी व्यवस्था मजबूत करने और मानसून के दौरान प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने।

सम्पादकीय

भारत में 'मक्का क्रांति' बहुत फायदेमंद, धान की जगह मक्के की खेती से पर्यावरण भी बचेगा व मुनाफा भी बढ़ेगा

पिछले एक दशक में देश के कृषि क्षेत्र की सूरत बहुत तेजी से बदली है। कृषि क्षेत्र में सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) की औसत वार्षिक वृद्धि दर बढ़कर 4.68 प्रतिशत हो गई है। ऐसा आंकड़ा पहले कभी नहीं देखा गया था। इस दरम्यान किसानों की आय विनिर्माण और दूसरे गैर-कृषि क्षेत्रों के उत्पादकों की आय के मुकाबले ज्यादा तेजी से बढ़ गई है। किंतु कृषि से जुड़े सभी क्षेत्रों में वृद्धि की कहानी एक जैसी नहीं रही है और इस बात पर गंभीर चिंता जताई जा रही है कि यह वृद्धि तकनीकी प्रगति के बजाय केवल कीमतों में बढ़ोतरी से तो नहीं हो रही है।

वृद्धि में तेजी मुख्य रूप से बागवानी, डेरी, पोल्ट्री और मत्स्य पालन जैसे अधिक मूल्य वाले (हाई वैल्यू) क्षेत्रों के दम पर रही है। इनके उलट अनाज, दलहन, तिलहन, कपास, गन्ना और रेशों जैसी खेतों में होने वाली फसलों में वृद्धि की गति धीमी रही है। इस पर ध्यान देना जरूरी है क्योंकि देश में फसल के कुल रकबे में से 85 प्रतिशत पर ये फसलें ही बोई जाती हैं। साथ ही कृषि और किसान आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा भी इन्हीं से जुड़ा है।

पिछले कुछ वर्षों में फसलों में वृद्धि धीमी रहने का एक बड़ा कारण ऐसी किसी बड़ी तकनीकी उपलब्धि का अभाव रहा है, जिसके कारण उत्पादन क्षमता में तेजी से इजाफा हो सके। सोयाबीन और कपास जैसी कुछ महत्वपूर्ण फसलों में तो उपज ठहर गई है बल्कि आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में कम भी हुई है। ऐसी स्थिति में मक्का अपवाद बनकर उभरा है, जिसकी पैदावार तेजी से बढ़ी है और जो भारत में सबसे तेजी से बढ़ने वाली फसल बन गया है।

भारत में 2015-16 में 2.25 करोड़ टन मक्का हुआ था और 2025-26 में इस फसल का कुल उत्पादन बढ़कर 5.50 करोड़ टन तक पहुंच गया। इस दौरान इसका उत्पादन 9.3 प्रतिशत सालाना चक्रवृद्धि दर से बढ़ा। यह इजाफा फसल की पैदावार बढ़ने से हुआ, जिसकी वजह से इसका रकबा भी पहले से बढ़ता गया। मक्के की वृद्धि दर अनाज, दलहन और धान की वृद्धि दर से दोगुनी रही है और गेहूं के मुकाबले तो इसमें तीन गुना ज्यादा वृद्धि हुई है। हरित क्रांति से भी पहले दुनिया भर में मक्के की पैदावार में क्रांति शुरू हो गई थी। मगर भारत में मक्के का कायाकल्प कुछ देर से हुआ। इसमें अहम मोड़ 2007-08 में आया, जब मक्के की पैदावार एक वर्ष के भीतर करीब 22 प्रतिशत बढ़ गई तथा उत्पादन में 25 प्रतिशत से ज्यादा इजाफा दर्ज किया गया। इसके साथ ही मक्का पहले के मुकाबले एकदम अलग वृद्धि की राह पर बढ़ गया और उसे बेहतर भविष्य वाली बदलती फसल मान लिया गया। लगभग 4 टन प्रति हेक्टेयर पैदावार के साथ भारत अब वैश्विक स्तर के करीब पहुंच रहा है।

मक्के में वृद्धि की खास बात है कि यह मूल्य के जरिये मदद देने वाली उस व्यवस्था के बगैर हुई है, जो गेहूं और धान को अरसे से मिलती रही है। उन फसलों जैसे नीतिगत प्रोत्साहन नहीं मिलने के बाद भी मक्के ने वृद्धि के मामले में दोनों को पछाड़ दिया है। यह सफलता मक्के की आधुनिक संकर किस्मों के कारण है, जिनका पलड़ा ज्यादा इलाकों में और ज्यादा मौसमों में उग सकने के कारण भारी रहता है। ज्यादातर फसलों के उलट मक्के की खेती देश के सभी कृषि क्षेत्रों में और खरीफ, रबी तथा गर्मी के मौसमों में की जा सकती है।

पिछले दो दशकों में मक्के की पैदावार दोगुनी हो चुकी है और इसका उत्पादन तीन गुने से भी ज्यादा हो गया है मगर भारत और दुनिया के अग्रणी मक्का उत्पादक देशों के बीच पैदावार का बड़ा अंतर बना हुआ है। भविष्य की बात करते हुए विशेषज्ञ कहते हैं कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में पहले से मौजूद उन्नत किस्में अपनाकर राष्ट्रीय स्तर पर मक्के की औसत पैदावार आसानी से 8 टन प्रति हेक्टेयर तक की जा सकती है।

राज्यवार आंकड़े भी ऐसा ही कहते हैं। पश्चिम बंगाल में औसतन प्रति हेक्टेयर लगभग 7 टन मक्का होता है। उसके बाद आंध्र प्रदेश में इसकी पैदावार लगभग 6.5 टन और बिहार में 6.1 टन प्रति हेक्टेयर है। तेलंगाना और तमिलनाडु भी इसी स्तर के करीब पहुंच रहे हैं। इन राज्यों में देश में मक्के का केवल 22 प्रतिशत रकबा है मगर कुल उत्पादन में इनका योगदान 38 प्रतिशत है।

इसके उलट मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में मक्के का रकबा बहुत ज्यादा है मगर पैदावार अब भी 3 टन प्रति हेक्टेयर के इर्द-गिर्द अटकी है। उत्तर प्रदेश में मक्के का 70 प्रतिशत रकबा सिंचित है मगर पैदावार इतने ही या इससे कम सिंचित क्षेत्र वाले राज्यों से कम है। कम पैदावार से उबरने के लिए एकल संकर बीजों का व्यापक उपयोग आवश्यक है।

मक्के में तेज वृद्धि की संभावना तो है ही, पर्यावरण को भी इससे कई फायदे हैं। देश में और विशेष रूप से कम बारिश वाले तथा उत्तर पश्चिम क्षेत्र में धान की ज्यादा खेती ने भूजल का स्तर और भी कम कर दिया है, मिट्टी की गुणवत्ता खराब की है और पर्यावरण पर भी बोझ डाला है। खरीफ के मक्के को बहुत कम पानी की जरूरत पड़ती है और फसल कम वक्त में तैयार हो जाती है।

साथ ही इसकी जड़ें धान की तुलना में मिट्टी की स्थिति को बेहतर बनाए रखती हैं। इसलिए उत्तर पश्चिम भारत में धान की जगह मक्के की खेती को बढ़ावा दिया जाए तो धान-गेहूं से जुड़ी कई पर्यावरण एवं सतत विकास की चुनौतियां दूर की जा सकती हैं। लेकिन इसके लिए नीतिगत प्राथमिकताएं बदलनी होंगी। भारत में अभी देश की जरूरत से करीब 30 प्रतिशत ज्यादा धान उगाया जाता है। इस अधिक धान का बड़ा हिस्सा सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की अपनी बाध्यता पूरी करने के लिए खरीद लेती है। मगर यह मात्रा सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) और बफर स्टॉक की जरूरतों से भी ज्यादा है, जिस कारण सरकारी एजेंसियों के पास चावल का बड़ा भंडार जमा हो जाता है।

गांव का पुस्तकालय - विकसित भारत की पहली प्रयोगशाला

विकास की सच्ची पहचान चौड़ी सड़कों या बड़े उद्योगों से नहीं, बल्कि अवसरों की समान पहुंच से होती है। जब प्रतिभा को अपने ही गांव में भविष्य गढ़ने का अवसर मिले, तभी लोकतंत्र सार्थक होता है। हरियाणा ने %अटल ई-पुस्तकालय% अभियान से यह उदाहरण प्रस्तुत किया है। राज्य के 985 से अधिक गांवों में स्थापित आधुनिक पुस्तकालय केवल अध्ययन-कक्ष नहीं, बल्कि लाखों ग्रामीण युवाओं के सपनों के नए आधार बन चुके हैं। यहां नवीनतम पुस्तकें, डिजिटल अध्ययन-सुविधाएं, तीव्रगति इंटरनेट, शांत वातानुकूलित वातावरण और एकाग्र अध्ययन का अनुकूल परिवेश उपलब्ध है। परिणामस्वरूप गांव का युवा अब अपने ही गांव से प्रशासनिक सेवाओं, पुलिस सेवा, बैंक, कर्मचारी चयन आयोग, शिक्षक भर्ती तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पूरे आत्मविश्वास के साथ कर रहा है।

इस पहल की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल पुस्तकालयों का निर्माण नहीं, बल्कि उस धारणा को बदलना है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल शहरों की पहचान है। वर्षों तक बेहतर संसाधनों की तलाश में ग्रामीण विद्यार्थियों को घर छोड़ना पड़ता था और शिक्षा परिवार पर आर्थिक बोझ बन जाती थी। हरियाणा ने यह स्थिति बदल दी है। अब गांव का विद्यार्थी अपने ही गांव में डिजिटल संसाधनों, राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन अभ्यास परीक्षाओं और नवीनतम अध्ययन सामग्री का लाभ उठाकर बिना पलायन अपने भविष्य की मजबूत नींव रख रहा है। यह केवल सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि शिक्षा के भूगोल में ऐतिहासिक परिवर्तन है। इसने सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा का भविष्य स्थान नहीं, अवसर तय करते हैं।

इन पुस्तकालयों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्होंने अध्ययन को व्यक्तिगत संघर्ष से सामूहिक शक्ति में बदल दिया है। गांव के युवा यहां साथ बैठकर तैयारी करते हैं, समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श करते हैं, एक-दूसरे की शंकाओं का समाधान करते हैं और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनाते हैं। डिजिटल पुस्तकालय और तीव्रगति इंटरनेट उन्हें विश्वस्तरीय ज्ञान, नवीनतम अध्ययन सामग्री तथा बदलते परीक्षा-पैटर्न से निरंतर जोड़ते हैं। जिन सुविधाओं के लिए कभी बड़े शहरों की महंगी कोचिंग और किराए के कमरों पर निर्भर होना पड़ता था, वे आज गांव में ही उपलब्ध हैं। इससे समय और धन दोनों की बचत हो रही है, साथ ही परिवार और समाज से जुड़ाव भी बना हुआ है। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना का सबसे सशक्त और जीवंत स्वरूप आज हरियाणा के इन ग्रामीण पुस्तकालयों में दिखाई देता है।

इस व्यवस्था की सबसे बड़ी शक्ति उसकी जमीनी भागीदारी है। पुस्तकालयों का संचालन केवल सरकारी तंत्र नहीं, बल्कि ग्राम पंचायतों की सक्रिय सहभागिता से हो रहा है। इसलिए प्रत्येक पुस्तकालय स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित हुआ है। जहां कृषि संबंधी प्रतियोगी परीक्षाओं की मांग है, वहां उसी अनुरूप अध्ययन सामग्री है; जहां सरकारी नौकरियों की तैयारी प्रमुख है, वहां आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं। यह ऊपर से थोपा गया मॉडल नहीं, बल्कि गांव की जरूरतों से निर्मित व्यवस्था है। इसलिए युवा इन पुस्तकालयों को केवल सरकारी भवन नहीं, बल्कि अपने भविष्य और गांव की सामूहिक पूंजी मानते हैं। यही स्वामित्व-बोध किसी भी जनकल्याणकारी योजना की स्थायी सफलता का आधार बनता है।

शिक्षा विशेषज्ञ इस पहल को उचित ही 'ज्ञान का लोकतंत्रीकरण' कहते हैं। जब ज्ञान पर आर्थिक संसाधनों का एकाधिकार टूटता है, तभी सामाजिक न्याय का वास्तविक मार्ग प्रशस्त होता है। आज किसान का बेटा और मजदूर की बेटी भी उसी स्तर की तैयारी कर रहे हैं, जिसके लिए कभी महंगी कोचिंग और शहर में रहना अनिवार्य माना जाता था। इससे प्रतियोगी परीक्षाओं में ग्रामीण युवाओं की भागीदारी और प्रशासनिक सेवाओं में उनका प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। मेरिट का आधार आर्थिक स्थिति नहीं, बल्कि प्रतिभा बनेगी। शिक्षा की यह समानता सामाजिक विषमताओं को भी कम करेगी। विकास तभी स्थायी होता है, जब उसकी धारा नीचे से ऊपर बहे। हरियाणा ने इस सिद्धांत को व्यवहार में उतारकर दिखाया है।

अब प्रश्न केवल हरियाणा की सफलता का नहीं, बल्कि देश की विकास-प्राथमिकताओं का है। बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा और झारखंड जैसे राज्यों में आज भी लाखों युवा बेहतर अध्ययन-संसाधनों के लिए शहरों की ओर पलायन करते हैं। यदि प्रत्येक पंचायत में आधुनिक ई-पुस्तकालय स्थापित किए जाएं, तो यह केवल शिक्षा नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, सामाजिक समरसता और रोजगार के नए अवसरों का भी आधार बन सकता है। केंद्र सरकार को डिजिटल इंडिया, कौशल विकास और ग्रामीण विकास की योजनाओं से इस मॉडल को जोड़कर राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप देना चाहिए। जिस प्रकार डिजिटल भुगतान और ग्रामीण इंटरनेट ने भारत की कार्यसंस्कृति बदली है, उसी प्रकार ज्ञान तक समान पहुंच का यह अभियान शिक्षा के परिदृश्य को नई दिशा दे सकता है। अब हर पंचायत में आधुनिक पुस्तकालय का सपना कल्पना नहीं, बल्कि एक सिद्ध, व्यवहारिक और राष्ट्रीय स्तर पर अपनाए जाने योग्य मॉडल है।

हरियाणा की यह पुस्तकालय क्रांति एक गहरी सीख देती है–राष्ट्र केवल राजधानी की ऊंची इमारतों से नहीं, गांवों के अध्ययन-कक्षों से भी बनता है। किसी ग्रामीण पुस्तकालय में देर रात तक जलती रोशनी, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में जुटे युवा की आंखों का आत्मविश्वास और अपने ही गांव में भविष्य गढ़ने का संकल्प–यही लोकतांत्रिक विकास का सबसे प्रेरक दृश्य है। यह पहल केवल सरकारी नौकरियों की तैयारी का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण स्वाभिमान, सामाजिक समानता और अवसरों के विकेंद्रीकरण का सशक्त प्रतीक है। हरियाणा ने सिद्ध कर दिया है कि जब शिक्षा गांव के द्वार तक पहुंचती है, तब केवल विद्यार्थियों का भविष्य नहीं, पूरे समाज की दिशा बदल जाती है। अब समय है कि अन्य राज्य भी इस पथ पर आगे बढ़ें। क्योंकि जिस दिन भारत के हर गांव में ज्ञान का दीप समान रूप से प्रज्ज्वलित होगा, उसी दिन विकास का वास्तविक सूर्योदय होगा। सच तो यह है कि जब गांव जागते हैं, तभी राष्ट्र आगे बढ़ता है।

-प्रो. आरके जैन

सरकारी बैंकों में क्यों टिक नहीं पा रहे हैं युवा अधिकारी

सुरेश (बदला हुआ नाम) ने कॉलेज से निकलते ही सार्वजनिक क्षेत्र के एक बड़े बैंक में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला। उन्होंने एक कड़ी प्रतियोगी परीक्षा और कई साक्षात्कारों को सफलतापूर्वक पास किया था। तीस वर्ष की आयु से पहले ही वह एक अच्छी तनख्वाह के साथ सुचारु रूप से संचालित एक विभाग का प्रबंधन कर रहे थे। उनके सहकर्मियों को लगता था कि सुरेश अंततः किसी बड़े पद पर पदोन्नत होंगे।

इसके बजाय सुरेश ने अपने गृह राज्य के एक सरकारी स्कूल में कम वेतन पर अध्यापन का काम चुन लिया। उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके भविष्य के अवसरों के बारे में बताते हुए उन्हें समझाया। लेकिन उनकी सलाह का सुरेश पर कोई असर नहीं हुआ। एक गहरी निराशा पहले ही घर कर चुकी थी।

सुरेश अकेले नहीं हैं। भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में कम से कम 7,50,000 लोग कार्यरत हैं, इनमें से कई प्रतिभाशाली युवा अधिकारी नौकरी छोड़ रहे हैं। वे पीएसबी में जीवन की निराशाओं से बचने के लिए राज्य सरकार की नौकरियों और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का विकल्प चुन रहे हैं।

हालांकि, बड़े निजी बैंकों में कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की दर लगभग 18 से लेकर 33 फीसदी है। इसके विपरीत, पीएसबी में कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की दर कम है। भारतीय स्टेट बैंक में लगातार कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की वार्षिक दर 2 फीसदी से कम रहती है, जबकि अन्य बैंकों में यह दर 3 से 8 फीसदी के बीच रहती है।

1980 के दशक से लेकर 1990 के दशक के आरंभ तक, बैंकिंग क्षेत्र में करियर का आकर्षण सिविल सेवा के लगभग बराबर था। इसमें एक प्रवेश स्तर के अधिकारी का वेतन सीधे भर्ती हुए प्रथम श्रेणी के सरकारी अधिकारी के वेतन के बराबर था। अब पीएसबी में शामिल होने वाले परिवीक्षाधीन अधिकारी को 12वें द्विपक्षीय वेतन समझौते के तहत लगभग 36,000 रुपये प्रति माह का मूल वेतन मिलता है। मेट्रो शहर में तैनात बैंकर के लिए, महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता और विशेष भत्तों सहित हाथ में आने वाला कुल वेतन लगभग 55,000 से 60,000 रुपये हो सकता है।

दूसरी तरफ, नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम में शामिल होने वाला एक नया कर्मचारी निजी बैंकों की तुलना में काफी अधिक वेतन पाता है, जिसमें नियमित वेतन वृद्धि और अन्य सुविधाएं शामिल हैं, जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में नहीं मिलतीं। मध्य प्रबंधन स्तर पर यह अंतर और भी बढ़ जाता है। वेतन में काम की प्रकृति और दबाव के अनुरूप वृद्धि नहीं हुई है।

पीएसबी में कर्मचारियों की संरचना एक खड़ी पिरामिडनुमा संरचना बनी हुई है, जिसमें प्रथम और द्वितीय स्तर (स्केल 1 और स्केल 2) के अधिकारियों की संख्या बहुत अधिक है और तृतीय स्तर तथा उससे ऊपर के पदों की रिक्तियां लगातार घटती जा रही हैं।

-धनंजय राजौरा

नक्सल समस्या की तरह मणिपुर में उग्रवाद का होगा खात्मा

मणिपुर में उग्रवाद का वर्तमान स्वरूप जातीय संघर्ष और क्षेत्रीय विभाजन में बदल चुका है। हालांकि बड़े पैमाने पर दंगे रुके हैं, लेकिन राज्य में मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच बफर जोन पृथक-पृथक क्षेत्रों में बंट गया है। इस बफर जोन को केंद्र सरकार ने 2023 के दंगों को रोकने के लिए रेखांकित किया था। किंतु अर्ध्यसैन्य बलों की चैकसी के बावजूद व्यावहारिक रूप से अलग-अलग सीमाओं में दिखाई दे रहा है। इस सीमा के एक तरफ घाटी क्षेत्र में मैतेई समुदाय और पहाड़ियों में कुकी-जो समुदाय एक-दूसरे के इलाकों में आज भी सुरक्षित आवाजाही से वंचित हैं। ऐसा होने पर बम विस्फोट, रॉकेट हमले और गोलीबारी की घटनाएं घटित हो जाती हैं। अतएव तीन साल से जारी इस जातीय हिंसा और अराजकता झेल रहे मणिपुर में अब केंद्र सरकार ने आर-पार की जंग शुरू कर दी है। नक्सलियों की तरह राज्य के सीमावर्ती जंगलों में छिपे उग्रवादियों का खात्मा करने के लिए केंद्र सरकार ने सबसे घातक और आक्रामक सैन्य-दक्षता वाले विलक्षण जंगल-वारफेयर यूनिट (कोबरा) को मैदान में उतार दिया है।

मणिपुर में इस समय चप्पे-चप्पे पर कोबरा की 207 और 2010 बटालियन के करीब 2000 प्रषिक्षित कमांडो 'ऑपरेषन क्लीन' को अंजाम दे रहे हैं। ये कमांडों छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडीषा में नक्सलियों के खिलाफ सफाये की कार्यवाही को परिणाम तक पहुंचा चुके हैं। इनका लक्ष्य है कि मणिपुर में सक्रिय 20 से ज्यादा सरकार से बातचीत के लिए तैयार नहीं होने वाले भूमिगत उग्रवादी समूहों को या तो समर्पण कराना है या फिर इन पर काल बनकर टूट पड़ता हैं। इसके नतीजे मिलने लगे हैं। कोबरा जवानों ने असम राइफल्स, सेना और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर कांगपोकपी और इंफाल घाटी के कई जिलों में उग्रवादियों के नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। अब तक 17 खतरनाक उग्रवादी हिरासत में लिए जा चुके हैं और इनके अवैध ठिकानों को मटियामेठ कर दिया है। आगे यह अभियान हथियारों से लैस उग्रवादियों के षिविरों को खोजकर उन्हें नियंत्रण में लेने का अभियान चला रहा है। हालांकि फरवरी 2026 में मुख्यमंत्री यमनाम खेमचंद्र सिंह की नई त्रि-जातीय संतुलित सरकार (जिसमें मैतेई मुख्यमंत्री के साथ कुकी और नागा उपमुख्यमंत्री षामिल हैं) बनने के बाद राजनीतिक संवाद की षुरूआत जरूर हुई है, लेकिन जमीनी स्तर पर अविष्वास की खाई को पाटना पूर्व की तरह बड़ी चुनौती बनी हुई है।

दरअसल 2023 की हिंसा भड़काने के जो कारण बने थे, उनका अब तक निराकरण नहीं हो पाया है। मैतेई समुदाय खुद को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा बहाल रखने की मांग कर रहा है। उनका तर्क है कि म्यांमार से हो रहे अवैध प्रवासन (घुसपैठ) और भूमि नहीं खरीद पाने के कानून के कारण वे अपनी ही मातृभूमि पर अल्पसंख्यक होते जा रहे हैं। दूसरी तरफ कुकी-जो और नागा समुदाय मैतेई समुदाय की अनुसूचित जाति की मांग का कड़ा विरोध कर रहे हैं। इनका कहना है कि मैतेई पहले से ही राजनीतिक, षैक्षिक और आर्थिक रूप से मजबूत हैं। यदि इन्हें यह दर्जा मिल जाता है तो ये आदिवासियों की नौकरियों और पहाड़ी जमीनों पर काबिज होकर उनके वैद्य मालिक बन जाएंगे। इस विवाद के चलते कुकी-जो विधायकों और संगठनों ने ऐलान कर दिया है कि वे अब मैतेई बहुल राज्य सरकार के तहत नहीं रह सकते है। अतएव कुकी केंद्र सरकार से 'केंद्र षासित प्रदेष' (यूटी) या पूर्ण स्वायत्ता के रूप में एक अलग प्रषासनिक व्यवस्था की मांग पर अड़े हुए हैं।

फरवरी 2023 में राज्य सरकार ने पहाड़ी और जंगली क्षेत्रों से अवैध प्रवासियों को बाहर करने की षुरूआत की थी। इन क्षेत्रों की नगा और कूकी समुदाय की 34 जातियां, जनजाति की श्रेणी में अधिसूचित हैं। अतएव इनके लिए चिन्हित भूभाग पर किसी गैर-जनजातीय समुदाय के लोग काबिज नहीं हो सकते हैं। विडंबना देखिए जिन लोगों को प्रवासी बताकर विस्थापन का सिलसिला षुरू किया गया उन्हें इस इलाके के मूल निवासी कुकी समुदाय ने अपना बताया। किंतु सरकार ने इस तथ्य पर ध्यान न देते हुए कुकियों की बेदखली का सिलसिला तो बनाए ही रखा, साथ ही मैतेई समुदाय को जब जनजाति का दर्जा मिल गया, तब उन्हें बलपूर्वक नगा और कुकी समुदाय के आरक्षित भूखंडों पर भी काबिज होने से नहीं रोका। विवाद की असली जड़ यही विरोधाभास रहा। मैतेई समुदाय इस इलाके में षैक्षिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से सक्षम वर्ग है। संख्याबल में भी वे अधिक हैं। यही नहीं मणिपुर की विधानसभा की 60 में से 40 विधानसभा क्षेत्रों में वहीं काबिज हैं। जबकि पहाड़ी इलाकों के 90 प्रतिषत दुर्गम भू-भाग में रहने वाली नगा और कूकी 34 जनजातियों के केवल 20 विधायक ही हैं। ज्यादातर मैतेई हिंदू होने के साथ वैशणव संप्रदाय से जुड़े हैं। इनमें से कुछ मतांतरित मुसलमान भी है। जबकि नगा और कूकियों में से 90 फीसदी धर्मांतरित ईसाई हैं। इस लिहाज से यह विवाद आसानी से धार्मिक रंग में बदलकर हिंसक हो जाता है। इसे धार्मिक रंग देने में ड्रग माफिया भी आग में घी डालने का काम करता है। समूचे पूर्वोत्तर भारत में अंतरराश्ट्रीय स्तर पर निर्यात नषे का कारोबार खूब फल-फूल रहा है। बड़ी मात्रा में यहां अफीम की खेती होती है। पूर्व मुख्यमंत्री नोंगथोंबम बीरेन सिंह ने अफीम की खेती और ड्रग माफिया के खिलाफ जबरदस्त अभियान छेड़ा हुआ था, इसी समय उच्च न्यायालय का आदेष आया कि सरकार मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा देने वाले कानून के अमल पर विचार करे। इस अदालती आदेष पर अमल की षुरूआत के साथ ही मणिपुर में जातीय दंगे भड़क उठे, जिन पर नियंत्रण के लिए अब कोबरा बटालियन तैनात की गई है।`

वैसे, ऐसे हालातों के निर्माण की प्रक्रिया तभी षुरू हो गई थी, जब विधानसभा से 2015 में तीन नए विधेयक पारित हुए थे। तब भी हिंसा के खतरनाक हालात निर्मित हुए थे। दरअसल इन कानूनों को स्थानीय जनजातीय समुदायों ने व्यापक हितों के प्रतिकूल मान लिया था। एक साथ लाए गए तीन विधेयकों से खासतौर से आदिवासी समूहों में ये आशंका गहरी हुई कि बाहरी लोगों को पर्वताचंलों का स्थाई निवासी बनाए जाने के रास्ते इन कानूनों के जरिए खोले जा रहे हैं। इसीलिए यह मामले में बाहरी बनाम मूल निवासियों की जंग में उलझकर विस्फोटक हो गया है। स्थानीय समुदायों में पनपे इस असुरक्षा-बोध पर सद्भाव और विश्वास की मलहम लगाने की जरूरत है। उत्तर-पूर्व के इन सात राज्यों को सात बहनों के नाम से जाना जाता है, वे पश्चिम बंगाल और असम के विभाजित रूप हैं। लिहाजा बृहत्तर असम का 'असम' नाम यूं ही नहीं पड़ा। उसकी पृश्ठभूमि वे असमानताएं रही हैं, जिनकी वजह से यहां के षासकों ने इस क्षेत्र का 'असम' नाम से नामाकरण किया। 'असम' का सामान्य सा अर्थ है, जो 'सम' न हो। अर्थात जो असमानताओं और विसंगतियों से भरा हो। भूमि से लेकर जीवन-यापन के हर क्षेत्र में इस विरोधाभासी पहलू को सकारात्मक सोच देने की दृश्टि से हमने इसे 'विविधता में एकता' के पर्याय से जोड़ दिया। केंद्र सरकार ऑपरेषन क्लीन के जरिए उग्रवादियों को नियंत्रित करके इस एकता को बहाल रखना चाहती है।

ये कानून हैं, मणिपुर यात्री किराएदार एवं प्रवासी नियमन विधेयक, मणिपुर भू-राजस्व एवं भूमि सुधार (सातवां संषोधन) विधेयक और मणिपुर दुकान एवं प्रतिश्ठान (दूसरा संषोधन) विधेयक। विवाद व हिंसक आंदोलन का मूल कारण 'यात्री किराएदार एवं प्रवासी नियमन विधेयक-2015' बना हुआ है। इस विधेयक में इनर लाइन परमिट हासिल करने के तरीके को कड़ा किया गया है। यह उपाय जीसीआरएलपीएस नामक संगठन द्वारा सालों से उठाई जा रही मांग के परिप्रेक्ष्य में किया गया है। संगठन की प्रमुख मांग थी कि मणिपुर में प्रवासी मसलन बाहरी लोगों की संख्या और हस्तक्षेप लगातार बढ़ रहा है। लिहाजा इसे नियंत्रित किया जाए। मूल निवासियों की ऐसी धारणा पुख्ता हुई है कि ये लोग मणिपुर की प्राकृतिक संपदाओं पर तो कब्जा कर ही रहे हैं, रोजगार और आजीविका के दुकान व श्रम से जुड़े संसाधनों को भी हथिया रहे हैं। सरकारी नौकरियों में स्थानीय और प्रवासियों के बीच प्रतिस्पर्धा उत्तरोत्तर बड़ी होती जा रही है। नतीजतन मणिपुर की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री रहे ओकराम इबोबी सिंह को इनर लाइन परमिट के नियमों को सख्त बनाने की जरूरत पड़ी। मूल रूप से यह मांग मणिपुर के बहुसंख्यक मैतेई समुदाय की थी। इसका विरोध आदिवासी समुदाय शुरुआत से ही कर रहे हैं। उन्हें यह भय है कि अगर ये ये कानून अमल में आ जाते हैं तो उन्हें जो 'मणिपुर घाटी जन-प्रशासन नियमन अधिनियम 1947 के तहत विशेष अधिकार मिले हुए हैं, उनका हनन होगा। दरअसल इस कानून के तहत राज्य के पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में अनादि काल से रह रहे जनजातीय समुदायों के हितों को विषेश रूप से संरक्षित करने के उपाय किए गए हैं। नए कानून के अनुसार 1951 के पहले से मणिपुर में रह रहे अथवा पलायन करके आए प्रवासी ही मणिपुर में रह सकेंगे। मसलन 1951 के बाद बसने वाले प्रवासियों को राज्य के नागरिकों को दी जाने वाली सुविधाएं भी नहीं मिलेंगी, दूसरे जरूरत महसूस होने पर सरकार उन्हें राज्य से बेदखल भी कर सकती है। यानी 1951 के पहले आ गए घुसपैठियों को भी मणिपुर की आदिवासियों के लिए आरक्षित की गई पहाड़ी ग्रामों में भी संपत्ति खरीदने व रोजगार हासिल करने के अधिकार प्राप्त हो जाएंगे।

-प्रमोद भार्गव

आत्मसाक्षात्कारः सहजयोग द्वारा स्वयं को जानने की सहज यात्रा

अपने आप को जानना ही जीवन का सबसे बड़ा ज्ञान है। मनुष्य जीवन का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है–मैं कौन हूँ? इसी प्रश्न का उत्तर आत्मसाक्षात्कार है। इसका अर्थ है अपने वास्तविक स्वरूप, अर्थात् शुद्ध आत्मा का प्रत्यक्ष अनुभव करना। जब व्यक्ति यह अनुभव करता है कि वह केवल शरीर या मन नहीं, बल्कि एक शाश्वत चेतना है, तभी उसके जीवन में शांति, संतुलन और आनंद का उदय होता है।

सामान्य धारणा रही है कि आत्मसाक्षात्कार केवल कठिन तपस्या या संन्यास से ही संभव है। किंतु द्वारा स्थापित सहजयोग इस धारणा को सरल बनाता है। सहजयोग के अनुसार आत्मसाक्षात्कार प्रत्येक मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है और यह सहज, प्राकृतिक तथा अनुभव-आधारित प्रक्रिया से प्राप्त किया जा सकता है।

सहज का अर्थ है–जो स्वाभाविक हो, और योग का अर्थ है–परम चेतना से मिलन। सहजयोग का आधार यह है कि प्रत्येक मनुष्य के भीतर स्थित कुण्डलिनी नामक सूक्ष्म आध्यात्मिक शक्ति, उचित परिस्थितियों में स्वाभाविक रूप से जागृत होकर व्यक्ति को आत्मसाक्षात्कार का अनुभव करा सकती है।सहजयोग में ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर स्थित कुण्डलिनी शक्ति के जागरण का अनुभव करता है। यह किसी धर्म, जाति, भाषा या देश तक सीमित नहीं है। गृहस्थ, विद्यार्थी, कर्मचारी या वरिष्ठ नागरिक कोई भी इसका अभ्यास कर सकता है।

नियमित सहजयोग ध्यान से मन शांत होता है, तनाव कम होता है, एकाग्रता बढ़ती है तथा व्यक्ति के भीतर करुणा, संतोष और आत्मविश्वास जैसे गुण विकसित होने लगते हैं। यह संसार से भागने का नहीं, बल्कि जीवन के दायित्व निभाते हुए आंतरिक संतुलन प्राप्त करने का मार्ग है।

बढ़ते तापमान पर मौसम वैज्ञानिकों, पर्यावरण विदों की चिंता

मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी का औसत तापमान औद्योगिक क्रांति के पहले की तुलना में लगभग 1.2 से 1.3 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। यदि तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक बढ़ा, तो इसके परिणाम भयावह होंगे। यह केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गटरेस ने चेतावनी देते हुए कहा है कि- मानवता ग्लोबल वार्मिंग के युग से निकलकर ग्लोबल बॉयलिंग के दौर में प्रवेश कर चुकी है। यह कथन अतिशयोक्ति नहीं, बल्कि आज की वास्तविकता है। वर्ष-दर-वर्ष नए तापमान रिकॉर्ड बन रहे हैं। भारत सहित विश्व के अनेक देशों में 48 से 50 डिग्री सेल्सियस तक तापमान पहुँच चुका है। इससे लाखों लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। विश्वप्रसिद्ध पर्यावरण वैज्ञानिक जेम्स हैंडसेन जिन्हें ग्लोबल वार्मिंग पर प्रारंभिक चेतावनी देने वाले वैज्ञानिकों में अग्रणी माना जाता है, कहते हैं जलवायु परिवर्तन भविष्य की समस्या नहीं है, यह आज की वास्तविकता है।

वास्तव में, बढ़ता तापमान केवल गर्मी नहीं बढ़ा रहा, बल्कि हमारी खाद्य सुरक्षा, जल सुरक्षा और स्वास्थ्य पर भी गंभीर संकट उत्पन्न कर रहा है। खेतों की उत्पादकता घट रही है, जलस्त्रोत सूख रहे हैं और वायु प्रदूषण के कारण श्वसन रोग तेजी से बढ़ रहे हैं।

जोहन रोकस्टोर्म का मानना है कि

हम पृथ्वी की उन सीमाओं को पार कर रहे हैं जिनके भीतर मानव सभ्यता सुरक्षित रह सकती है।

धरती तप रही, हिमालय की चोटियाँ पिघल रही, समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, जंगल धधक रहे हैं और मौसम का स्वभाव अनिश्चित होता जा रहा है। कभी भीषण गर्मी, कभी बेमौसम वर्षा, कभी सूखा तो कभी विनाशकारी बाढ़–ये सब प्रकृति की चेतावनी हैं कि यदि मानव ने अभी भी अपनी जीवनशैली नहीं बदली, तो वह दिन दूर नहीं जब साँस लेने के लिए शुद्ध हवा भी दुर्लभ हो जाएगी।

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि विश्व के अनेक महानगरों में वायु की गुणवत्ता लगातार गिर रही है। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले समय में स्वच्छ हवा भी बोतलों में खरीदनी पड़ेगी। आज कई देशों में ऑक्सीजन बार और शुद्ध हवा बेचने वाले उद्योग प्रारंभ हो चुके हैं। यह मानव विकास नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ हमारे असंतुलित संबंध का परिणाम है। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् सुनीता नरेंन कहती है जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि विकास और न्याय का भी प्रश्न है। सबसे अधिक पीड़ा उन लोगों को झेलनी पड़ती है जिन्होंने प्रदूषण सबसे कम फैलाया है।

यह कथन भारत जैसे विकासशील देशों पर पूरी तरह लागू होता है। गरीब किसान, मजदूर, आदिवासी और ग्रामीण समाज सबसे पहले जलवायु परिवर्तन का दंश झेल रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण के लिए जीवन समर्पित करने वाली वंदना शिवा का स्पष्ट मत है कि हमारी आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन हमारे लालच को कभी नहीं।

वास्तव में, अंधाधुंध औद्योगीकरण, जंगलों की कटाई, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग और अनियंत्रित शहरीकरण ने पृथ्वी का प्राकृतिक संतुलन बिगाड़ दिया है। कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और अन्य ग्रीनहाउस गैसें वातावरण में लगातार बढ़ रही हैं, जिससे पृथ्वी का तापमान तेजी से ऊपर जा रहा है।

आज आवश्यकता केवल सरकारों की नीतियों की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी की है। एक पेड़ लगाना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, सार्वजनिक परिवहन अपनाना, ऊर्जा की बचत करना और जल संरक्षण करना–ये छोटे-छोटे कदम मिलकर बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

स्वीडन की युवा पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग ने विश्व नेताओं को चेताते हुए कहा है कि हमारा घर जल रहा है, और मैं चाहती हूँ कि आप उसी तरह घबराएँ जैसे किसी घर में आग लगने पर घबराते हैं।

यह केवल एक युवती की भावनात्मक अपील नहीं, बल्कि पूरी मानवता की पुकार है।

भारत की परंपरा सदैव प्रकृति-पूजक रही है। हमारे ऋषियों ने पृथ्वी को माता, नदियों को देवी और वृक्षों को जीवनदाता माना। यदि हम अपनी सांस्कृतिक विरासत से प्रेरणा लें तो पर्यावरण संरक्षण हमारे जीवन का सहज हिस्सा बन सकता है।

आज विश्व को आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना होगा। विकास वह नहीं जो जंगलों को समाप्त कर दे, नदियों को प्रदूषित कर दे और हवा को विषैला बना दे। वास्तविक विकास वही है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए भी सुरक्षित और स्वस्थ पृथ्वी छोड़ जाए।

अंततः यह स्मरण रखना होगा कि पृथ्वी को हमारी आवश्यकता नहीं है; हमें पृथ्वी की आवश्यकता है। यदि हमने समय रहते चेतावनियों को नहीं समझा, तो भविष्य की पीढ़ियाँ हमें क्षमा नहीं करेंगी। आज लिया गया प्रत्येक पर्यावरणीय निर्णय कल की साँसों का आधार बनेगा।

आइए संकल्प लें धरती को केवल विरासत में नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व के रूप में देखें। एक वृक्ष लगाएँ, एक जीवन बचाएँ; क्योंकि यदि हवा नहीं बचेगी, तो मानव सभ्यता भी नहीं बचेगी।

-संजीव ठाकुर

देवास जिले में जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर अभियान का किया शुभारम्भ

प्रथम दिवस 1 लाख 22 हजार 926 बच्चों को पिलाई पोलियो की दवा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले में जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर अभियान का शुभारम्भ किया। जिला चिकित्सालय देवास में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लीला देवी अटारिया, महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल ने बच्चों को पोलियो की दवाई पिला कर अभियान का शुभारंभ किया। इसी प्रकार विकासखण्ड सोनकच्छ में विधायक डॉ.राजेश सोनकर,

विकासखण्ड बागली में विधायक मुरली भंवरा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने अभियान का शुभारंभ किया।

जिला चिकित्सालय देवास में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लीला अटारिया द्वारा अपनी पौत्री कुमारी काश्वी माता-पिता श्रीमती वर्षा वीरेंद्र अटारिया उम्र 1 माह 4 दिन को स्वयं जिला चिकित्सालय के बूथ पर लाकर दो बूंद जिंदगी की अपने हांथों से पिलाई गई और पोलियो की बीमारी से सुरक्षित किया गया। श्रीमती लीला श भेरूलाल अटारिया ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान के दौरान 5 वर्ष तक का कोई भी बच्चा पोलियो की दवा पीने से वंचित ना रह जाये। उन्होंने कहा कि इस कार्य में आमजन भी सक्रिय रूप से सहयोग करें। अभिभावक स्वयं ही स्वेच्छा से बूथ पर अपने बच्चों को लेकर आएं और शासन के इस महा अभियान में सहयोग करें।श्रीमती लीला अटरिया ने संदेश दिया कि हमारा संकल्प है कि एक भी बच्चा छूटने ना पाए क्योंकि दो बूंद जिंदगी की बहुत जरुरी है।

महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल ने कहा कि पोलियो की बीमारी से कोई भी बच्चा ग्रसित न हो इसके लिए हम सबको एकजुट होकर प्रयास करने होंगे। भारत देश पूर्ण रूप से पोलियो मुक्त है पर सावधानी के तौर पर चलाया जा रहा यह अभियान सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है और हम सबको इस अभियान की शत प्रतिशत सफलता में सहयोग देना चाहिए। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय अभियान में शतप्रतिशत बच्चों को पोलियो की दो बून्द दवा अवश्य पिलवाएं ।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुनील तिवारी ने बताया कि अभियान के तहत प्रथम दिन 01 लाख 22 हजार 926 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई दूसरे एवं तीसरे दिन दवा पीने से वंचित रहे बच्चों को घर-घर जाकर दवा पिलाई जाएगी।

महाराजा मंडल के बूथ 235 पर सामूहिक रूप से सुनी गई मन की बात, विधायक गायत्री राजे पवार ने किया पौधारोपण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीमंत महाराजा मंडल के वार्ड क्रमांक 31 स्थित बूथ क्रमांक 235 पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात का सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम में देवास की लोकप्रिय विधायक गायत्री राजे पवार विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस अवसर पर नगर पालिक निगम सभापति रवि जैन, पूर्व जिलाध्यक्ष राजीव खंडेलवाल, विधानसभा प्रभारी ओम जोशी, मंडल प्रभारी गणेश पटेल, मंडल अध्यक्ष सुरेश सिलोदिया, देवास जिले के मन की बात प्रभारी कपिल सिंह पवार, एम.आई.सी. सदस्य धर्मेंद्र सिंह बैस, पूर्व जिलाध्यक्ष जुगनू गोस्वामी, वार्ड पार्षद विकास जाट सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं वार्ड के रहवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत विधायक गायत्री राजे पवार द्वारा ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर की गई। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने अभियान में सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में रोहन श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

आत्मा अंतर्गत सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार वर्ष 2025-26 के लिए आवेदन 30 जून तक आमंत्रित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। परियोजना संचालक आत्मा'' ने बताया कि कृषि विस्तार सुधार कार्यक्रम आत्मा अंतर्गत सर्वोत्तम कृषक राज्य, जिला एवं विकासखंड के लिए 30 जून 2026 तक प्रविष्टियां आमंत्रित की गई है। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार एवं विकासखण्ड स्तरीय कृषक पुरस्कार निर्धारित आवेदन फार्म विकासखंड के ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर/असिस्टेंट टेक्नोलॉजी मैनेजर (आत्मा) एवं कृषि विस्तार अधिकारी एवं उद्यानिकी पशुपालन, मत्स्य, कृषि एवं कृषि अभियंत्रिकी विभाग से प्राप्त करें। साथ ही वर्ष 2025-26 पुरस्कार हेतु कृषकों द्वारा अपनाई गई कृषि तकनीकी, उपज एवं उत्पादकता के आधार पर इच्छुक कृषकों से पुरस्कार के लिए बंद लिफाफे में प्रविष्टि विकासखंड के ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर/असिस्टेंट टेक्नोलॉजी मैनेजर ''आत्मा'' एवं उद्यानिकी पशुपालन, मत्स्य, कृषि, एवं कृषि अभियंत्रिकी विभाग को 30 जून 2026 के पूर्व प्रस्तुत करें।

6 घंटे की बारिश के बाद भी उमस से बेहाल हुए नगरवासी

शाम से देर रात तक बरसे बादल, सुबह होते ही खिली तीखी धूप

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मानसूनी बारिश के पहले शनिवार रात को हुई झमाझम बारिश ने नगरवासियों को राहत प्रदान की। लेकिन रविवार सुबह होते ही खिली धूप ने यह राहत छीन ली, जिससे लोगों का गर्मी से बुरा हाल होने लगा। इस गर्मी से लोगों को शाम तक भी राहत नहीं मिल सकी।

एक दिन पहले शनिवार को भी नगरवासियों का गर्मी से बुरा हाल हो रहा था। लेकिन शाम को अचानक मौसम बदला और तेज हवाओं के साथ आसमान पर काले बादल छा गए। इसके बाद हल्की बूंदाबांदी शुरू हो गई जो देखते ही देखते तेज बारिश में बदल गई। यह बारिश रात करीब 1 बजे तक जारी रही। इस दौरान 39 एमएम वर्षा दर्ज की गई। जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिल गई। लेकिन रविवार सुबह से ही आसमान पूरी तरह साफ हो गया और तीखी धूप खिल गई। वहीं हवाओं ने भी नगर का साथ छोड़ दिया जिससे लोगों का गर्मी व उमस से बुरा हाल हो गया। इस दिन अधिकतम तापमान 35.3 व न्यूनतम तापमान 24.2 दर्ज किया गया। मौसम विभाग की माने तो 2 जुलाई तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा और दोपहर में तेज गर्मी का सामना करना होगा, जिसके बाद शाम को बारिश की संभावना बनी हुई है।

बोवनी के लिए खेतों में पहुंचने लगे किसान

जमीन में पर्याप्त नमी के अभाव में बोवनी की बाट जोह रहे कई किसानों ने रविवार को खेतों में पहुंचकर बोवनी के कार्य का शुभारंभ किया। शनिवार रात को हुई बारिश से पर्याप्त नमी पहुंच गई। जिससे किसान अब आसानी से काम शुरू कर सकते हैं। हालांकि कई किसान अपने खेतों में बुआई कर चुके हैं, लेकिन कई किसान अच्छी बारिश के इंतजार में रूके हुए थे और उनका यह इंतजार शनिवार रात को पूरा हुआ। इधर मौसम विभाग ने 2 से 4 जुलाई के बीच मानसूनी बारिश शुरू होने की संभावना जताई है।

रात में फिर बारिश की संभावना- मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि रविवार शाम या रात में भी गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 2 जुलाई तक जिले में इसी तरह का मौसम बना रहेगा। वहीं 4 जुलाई से मानसूनी गतिविधियां और अधिक सक्रिय होने की संभावना है, जिससे जिले में झमाझम बारिश का दौर शुरू होगा।

अभाविप के कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में हुई नई कार्यकारिणी घोषित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की नगर इकाई देवास द्वारा स्कूल परिसर में कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने सहभागिता करते हुए संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया। शिविर के अंतिम सत्र में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की वर्ष 2026-27 की नवीन नगर कार्यकारिणी की घोषणा की गई। घोषित कार्यकारिणी में प्रो. सोनाली पिटवे को पुनः नगर अध्यक्ष एवं निर्जल चौधरी को नगर मंत्री निर्वाचित किया गया। नगर प्रशिक्षण वर्ग में मुख्य रूप से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के विशेष आमंत्रित सदस्य योगेश रघुवंशी, निवर्तमान विभाग संगठन मंत्री धीरज जायसवाल तथा विभाग संयोजक दक्ष यादव उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति एवं छात्रहित से जुड़े विषयों पर विस्तार से जानकारी देते हुए आगामी शैक्षणिक सत्र में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया।

मवेशी को बचाने में बाईक से गिरे दंपत्ति, इंदौर रैफर

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम बिजाना के पास नेशनल हाईवे-52 आंखों का इलाज कराने मक्सी जा रहे थे। तभी सामने अचानक मवेशी के आ जाने से बाईक गिर गई जिससे पति-पत्नी घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रैफर किया गया है। घटना रविवार दोपहर करीब 1 बजे की है। जब पनवाड़ी निवासी माजिद (60) और उनकी पत्नी मुनव्वर बी (55) पनवाड़ी से मक्सी में आंखों का इलाज कराने के लिए जा रहे थे। बिजाना जोड़ के पास अचानक एक मवेशी उनकी बाइक के सामने आ गया। जिसे बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें डायल-112 के पायलट राजेंद्र सिकरवार और प्रधान आरक्षक अशोक ने जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया, लेकिन स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें इंदौर रेफर किया गया।

पनागर में बाबड़ी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आजाद वार्ड पनागर स्थित बावड़ी परिसर में विधायक श्री सुशील तिवारी इंदु के मुख्य आतिथ्य तथा जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य आनंद जैन मिन्चु, एसडीएम अभिषेक सिंह एवं तहसीलदार गौरव पांडे की उपस्थिति में बावड़ी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री सुशील तिवारी इंदु ने अपने उद्बोधन में जल बचाने, पौधारोपण करने, प्राकृतिक धरोहरों को बचाने के लिये समुदाय की सहभागिता को जरूरी बताया।एसडीएम जबलपुर अभिषेक सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यो में जन सहयोग आवश्यक है।

लाखों बच्चों को पिलाई दो बूंद जिंदगी की, आंगनवाड़ी कंद्रों, जिला अस्पताल सहित रेलवे और बस स्टैंड पर भी तैनात रही टीम

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई। इस दौरान नगर के आंगनवाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य संस्थाओं के साथ-साथ रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर भी टीमें तैनात की गई ताकि कोई भी बच्चा पल्स पोलियो की दवा पीने से वंचित न रह सके। इस दौरान अधिकारियों सहित जनप्रतिनिधियों ने अभियान का शुभारंभ किया।

रविवार को पल्स पोलियो अभियान के तहत 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है। जिले में कुल 1 लाख 31 हजार 86 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए स्वास्थ्य संस्थानों, आंगनवाड़ी केंद्रों और अन्य चिह्नित स्थानों पर पोलियो बूथ बनाए गए हैं, जहां सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक खुराक पिलाई गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कमला आर्य ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। कुल 1053 बूथ टीमों का गठन किया गया है। इसके अलावा 36 ट्रांजिट टीमें, 19 मोबाइल टीमें और 138 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। पूरे अभियान में लगभग 2349 अधिकारी-कर्मचारी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

सफर कर रहे बच्चे भी नहीं रहे अछूते- अभियान के अंतर्गत ऐसे बच्चों को भी पोलिया की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया जो सफर कर रहे हैं। इसके लिए रेलवे स्टेशनो, बस स्टैंड सहित सार्वजनिक स्थलों पर भी टीमों को तैनात किया गया ताकि सभी बच्चों को पालियो की दवा पिलाई जा सके।

विधायक ने किया अभियान का शुभारंभ- रविवार को विधायक अरूण भीमावद ने जिला अस्पताल पहुंचकर पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने अस्पताल में नवजात को पोलियो की दवा पिलाई। इसके बाद बारी-बारी से बच्चों को दवा पिलाने का काम किया गया। इस दौरान शाम 5 बजे तक सभी जगह पोलियो की खुराक पिलाई गई ताकि सभी बच्चे पोलियो से मुक्त रहे। सीएमएचओ डॉ. कमला आर्य ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 5 वर्ष तक के बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो रोधक दवा की खुराक अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से ही पोलियो मुक्त भारत का लक्ष्य पूरी तरह सफल बनाया जा सकता है।

नवाचारों ने बदली शिक्षा की दिशा, बच्चों ने रचे सफलता के नए कीर्तिमान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय प्राथमिक विद्यालय ढोलपुरा में किए गए नवाचारों का प्रभाव केवल विद्यालय की व्यवस्थाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में भी अभूतपूर्व सुधार देखने को मिला है। एक समय ऐसा था जब गांव में माध्यमिक स्तर की परीक्षाओं में भी अच्छे परिणाम दुर्लभ थे, वहीं आज इसी गांव के विद्यार्थी उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं और उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर रहे हैं।

विद्यालय में वर्ष 2018 से प्रधानाध्यापक सिद्धूलाल पुरोहित द्वारा प्रारंभ किए गए नवाचारों, नियमित शैक्षणिक मार्गदर्शन, सामुदायिक सहभागिता एवं प्रेरणादायी गतिविधियों के परिणामस्वरूप आज गांव के लगभग 35 विद्यार्थी प्रदेश के उत्कृष्ट शासकीय शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत हैं। इनमें से 4 विद्यार्थियों का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय में हुआ है, जबकि 28 विद्यार्थी सीएम राइज एवं उत्कृष्ट विद्यालयों में अध्ययन कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त गांव के 2 विद्यार्थी नीट एवं जेईई जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। ग्राम पंचायत के वर्तमान सरपंच भोपाल सिंह अहीर भी अनेक अवसरों पर यह बात सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं।

आयकर अधिनियम एवं जीएसटी लिटिगेशन पर सेमिनार का आयोजन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। टैक्स बार एसोसिएशन, मंदसौर द्वारा सदस्यों के ज्ञानवर्धन तथा व्यावसायिक दक्षता में वृद्धि के उद्देश्य से ÷आयकर अधिनियम, 2025 एवं जीएसटी के विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कंपनी लॉ जेपीसी कमेटी चेयरमैन व प्रखर सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश में कर व्यवस्था को अधिक सरल, पारदर्शी एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कर व्यवसायियों की राष्ट्र निर्माण एवं कर अनुपालन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री ए. के. लाखोटिया ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री अशोक कुमार, आयकर अधिकारी, नीमच; श्री राजीव खानापुरकर, अधीक्षक, सीजीएसटी श्री रोनक दुबे; तथा श्री राजेश भाभोर, सहायक आयुक्त, एसजीएसटी की उपस्थिति रही। अतिथियों का स्वागत सीए दिनेश जैन, अंकुश जैन, लोकेन्द्र जैन, आदिश जैन, राजेश मंडवारिया, मयंक जैन, सोहनलाल कोठारी, चेतन गुप्ता, महावीर पाटनी, वि के रानावत, विनय अग्रवाल, रमेश जैन, मुकेश पारिख, वीएस पमेचा आदि ने किया। कार्यक्रम के प्रथम तकनीकी सत्र में सी.ए. राजेश मेहता, इंदौर ने आयकर अधिनियम, 2025 के अंतर्गत पूंजीगत लाभ असेसमेंट एवं अपील तथा टीडीएस विषय पर विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने नवीन आयकर अधिनियम में हुए महत्वपूर्ण प्रावधानों, कर निर्धारण की प्रक्रिया, अपील संबंधी व्यवस्था तथा टीडीएस के व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। द्वितीय तकनीकी सत्र में जीएसटी लिटिगेशन विशेषज्ञ श्री अमीत दवे, इंदौर ने जीएसटी के विभिन्न विषयों पर प्रभावशाली व्याख्यान दिया। उन्होंने नोटिस जारी होने से लेकर निर्णय, अपील, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत तथा बदलते अनुपालन परिदृश्य से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर व्यावहारिक उदाहरणों सहित विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। सत्र अध्यक्ष ए. के. लाखोटिया ने कहा कि बदलते कर कानूनों के परिप्रेक्ष्य में निरंतर अध्ययन एवं अद्यतन ज्ञान प्रत्येक कर व्यवसायी की आवश्यकता है तथा ऐसे सेमिनार व्यावसायिक गुणवत्ता को नई दिशा प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मंदसौर टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सी.ए. अंकुश जैन ने स्वागत उद्बोधन देते हुए सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कर कानूनों में निरंतर हो रहे परिवर्तनों के कारण कर व्यवसायियों के लिए नियमित अध्ययन एवं अद्यतन जानकारी अत्यंत आवश्यक है। ऐसे शैक्षणिक सेमिनार न केवल ज्ञानवर्धन का माध्यम हैं, बल्कि कर सलाहकारों, विभागीय अधिकारियों एवं विशेषज्ञों के बीच संवाद स्थापित कर व्यावसायिक दक्षता को भी सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे उच्च स्तरीय कार्यक्रमों के नियमित आयोजन का विश्वास दिलाया। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावी संचालन मंदसौर टैक्स बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सी.ए. आयुष जैन द्वारा किया गया। अतिथि परिचय सीए मयंक जैन एवं सीए चेतन गुप्ता द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के अंत में मंदसौर टैक्स बार एसोसिएशन के सचिव श्री आदिश जैन ने आभार प्रदर्शन करते हुए मुख्य अतिथि, अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथियों, दोनों विद्वान वक्ताओं, विभागीय अधिकारियों, इंदौर, रतलाम, जावरा एवं नीमच से पधारे कर सलाहकारों तथा मंदसौर टैक्स बार एसोसिएशन के सभी सदस्यों एवं आयोजन समिति के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। सेमिनार में मंदसौर के अतिरिक्त नीमच व इंदौर से कर सलाहकारों ने सहभागिता की।

प्रतिभागियों ने वक्ताओं से विभिन्न व्यावहारिक एवं जटिल कर विषयों पर प्रश्न पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। टैक्स बार एसोसिएशन, मंदसौर ने भविष्य में भी कर व्यवसायियों के हित में ऐसे उच्च स्तरीय शैक्षणिक एवं व्यावसायिक कार्यक्रमों के नियमित आयोजन का संकल्प व्यक्त किया।

घर में घुसकर महिला से किया दुष्कर्म, शिकायत करने पर आरोपी की मां ने की मारपीट

महिला की शिकायत पर पुलिस ने मां-बेटे के खिलाफ किया मामला दर्ज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मोहन बड़ोदिया थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने अपने ही गांव के एक युवक पर घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला का आरोप है कि उसने जब यह बात आरोपी की मां को बताई तो उसने भी महिला को पाईप से पिट दिया। महिला ने थाने में शिकायत की। पुलिस ने आरोपी मां-बेटे के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है जो फिलहाल फरार हैं। पीड़िता ने पुलिस को आपबीती सुनाते हुए बताया कि घटना 23 जून की रात की है। वह अपने घर में अकेली सो रही थी। तभी रात के करीब 12 बजे गांव का रहने वाला सूरज चुपके से दरवाजा खोलकर अंदर घुस आया। उसने महिला के साथ जबरदस्ती की और वारदात को अंजाम देकर मौके से भाग निकला। पीड़िता ने अगले दिन आरोपी की मां संतोष को इस करतूत के बारे में बताया तो उसकी मां ने उल्टे महिला को ही गाली-गलौज करते हुए गैस के पाइप से उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे महिला को कई जगह चोंट आई है। वहीं जब पीड़िता का जीजा उसे इलाज के लिए ले जाने लगा तो आरोपी की मां ने उन दोनों को जान से मारने की धमकी भी दी। उसके बाद दोनो अस्पताल गए और नलखेड़ा के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

हमेशा समाज की एकजुटता के लिए प्रयासरत रही कबीर वाणी: विधायक भीमावद

कबीर फाउंडेशन ने सामाजिक समरसता के साथ मनाया सद्गुरु कबीर प्रकटोत्सव

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कबीर के भजन और उनकी वाणी समस्त समाज को एकजुट करने का निरंतर प्रयास करती रही है। उनके प्रयासों से आज हमें समाज में एकजुटता दिखाई देती है जो काफी प्रशंसनीय है। आपके समाज को जब भी मेरी आवश्यकता होगी में सदैव तत्पत रहूंगा।

यह बात विधायक अरूण भीमावद ने मालवीय बलाई समाज धर्मशाला में आयोजित कबीर प्रकटोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हम बचपन से कबीर की वाणी के बारे में पढ़ते और सुनते आए हैं। हमारी हर पीढ़ी उनके सत्कर्मो से परीचित है और आज सौभाग्यशाली हैं कि उनके प्रकटोत्सव मनाने का हमें सोभाग्य मिल रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पांडे ने कहा कि कबीर फाउंडेशन द्वारा सामाजिक समरसता की दिशा में जो कार्य कर रहा है वह प्रशंसनीय है। समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कबीर फाउंडेशन संस्थापक दिलीप सिंह बामनिया के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय कबीर भजन गायक दीप गुरु जी इंदौर महंत गुरुचरणदास, अशोक टिपानिया, गीता पराग, प्रीतम मालवीय, महंत महेशदास, कमल मालवीय मदाना, रामचंद्र चौहान, बाबूलाल गोयल, सुरेश मालवीय, अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुनील मालवीय, पूर्व पार्षद राजेश पारछे, भाजपा नगर अध्यक्ष पं. आशीष नागर, गोविंद नायक, राधेश्याम मालवीय, डॉ. मनोजकुमार पंचोली, रामचंद्र पारस, समंदरसिंह मकवाना, मदनलाल मेवाड़ा, रोडमल राठौर, विजय मकवाना, राजा मेवाड़ा, यश पिंकू मालवीय, रतनलाल परमार सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अनिल मालवीय ने किया तथा आभार नारायण सिंह मालवीय ने माना।

मन की बात केवल संवाद नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणा का माध्यम है- मण्डलोई

शक्तिकेन्द्र पर हुई बैठक, डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर हुआ प्रशिक्षण

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के बखतगढ़ मंडल के ग्राम बुकडावदा खेड़ी में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 135वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण एवं अवलोकन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। इसके बाद शक्ति केंद्र की बैठक आयोजित कर संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम में भाजपा के जिला मंत्री एवं मंडल प्रभारी विनीत मंडलोई, जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी तथा मंडल अध्यक्ष संजय सिंह राठौर की उपस्थिति में कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना। मण्डलोई ने कहा कि मन की बात देशवासियों को प्रेरणा देने वाला संवाद है, जो समाज सेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के लिए सकारात्मक संदेश देता है। प्रधानमंत्री के विचार से हमे नई ऊर्जा मिलती है। प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम से समाजसेवा, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी की प्रेरणा मिलती है। यह कार्यक्रम सकारात्मक बदलाव के लिए हर नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश देता है। प्रधानमंत्री की मन की बात केवल संवाद नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणा का माध्यम है। बैठक को अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया।

बैठक के दौरान संगठन की आगामी गतिविधियों, बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने, डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रमों और विभिन्न अभियानों को लेकर कार्ययोजना तैयार की गई। पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से प्रत्येक कार्यक्रम को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का आह्वान किया। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर चल रहे स्मरण पखवाड़ा के अंतर्गत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर उनके राष्ट्रवादी विचारों, संगठन निर्माण में योगदान, संकल्प और जीवन दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला गया तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से बूथ समिति एवं अन्य कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण भी पूर्ण कराया गया। प्रशिक्षण में संगठन की विचारधारा, पंचनिष्ठाएं, विभिन्न संगठनात्मक विषयों तथा डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी गई। बैठक में शक्तिकेंद्र प्रभारी , बूथ अध्यक्ष, पालक, संयोजक समेत मंडल पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा के जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के सभी छह मंडलो में इन दिनों डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म पर प्रशिक्षण अभियान चल रहा है। सभी मंडलो के कार्यकर्ता ऑनलाइन प्रशिक्षण पूर्ण कर रहे।

भाजपा बूथों पर सुनी गई प्रधानमंत्री की मन की बात, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

बड़ावदा/प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा प्रदेश कार्यालय के निर्देशानुसार जिले के सभी मंडलों के बूथों पर रविवार को प्रधानमंत्री Narendra Modi के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का सामूहिक श्रवण किया गया। बड़ावदा के वार्ड क्रमांक 10 स्थित बूथ पर भी भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को उत्साहपूर्वक सुना। कार्यक्रम के दौरान Syama Prasad Mukherjee के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। वक्ताओं ने उनके राष्ट्र निर्माण, एकात्म मानववाद तथा समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए किए गए योगदान का उल्लेख करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर भाजपा नेता महेश सोडाणी, पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष संजय चावड़ा, एल्डरमैन सोहन जादव, बूथ प्रभारी मनोज जोशी, राजेश कांकाणी, विवेक सकलेचा, प्रवीण जायसवाल, चेतन जादव, आशिक मंसूरी, लाला चूड़ीगर सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दो बूंद जिंदगी की' जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

शिवपुरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋष्षीश्वर के नेतृत्व में किया गया। यह अभियान 28 से 30 जून 2026 तक संचालित होगा, जिसके अंतर्गत जिले के जन्म से 5 वर्ष तक के 2,65,395 बच्चों को पोलियो की दो बूंद जीवन रक्षक दवा पिलाई जाएगी।जनप्रतिनिधियों ने किया पोलियो बूथों का शुभारंभअभियान के प्रथम दिवस जिले के विभिन्न पल्स पोलियो बूथों का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा किया गया। जिला चिकित्सालय शिवपुरी में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजय राज एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋष्षीश्वर ने पोलियो बूथ का शुभारंभ किया। इसी प्रकार विकासखंड सतनवाड़ा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुढेरी में समाजसेवी श्री रघुवीर रावत, पोहरी में मंडल अध्यक्ष श्री आशुतोष जैमिनी, नरवर में विधायक प्रतिनिधि श्री उदयसिंह राजपूत, करैरा में नगर परिषद अध्यक्ष श्री रामस्वरूप रावत, खनियाधाना में पार्षद श्री सत्यप्रकाश भरदेलिया एवं विधायक प्रतिनिधि श्री अभिषेक जैन, पिछोर में पार्षद श्रीमती रजनी राजौरिया, कोलारस में वरिष्ठ समाजसेवी श्री ओ.पी. भार्गव तथा बदरवास विकासखंड के रन्नौद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी जमुना कुशवाह ने पल्स पोलियो बूथों का शुभारंभ किया।2,150 बूथ, 56 ट्रांजिट बूथ एवं 40 मोबाइल दल तैनातमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋष्षीश्वर ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए जिले में 2,150 पल्स पोलियो बूथ, 56 ट्रांजिट बूथ तथा 40 मोबाइल दल तैनात किए गए हैं। ट्रांजिट बूथ रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं अन्य प्रमुख आवागमन स्थलों पर संचालित किए जा रहे हैं, जबकि मोबाइल दल घुमंतू परिवारों, सड़क निर्माण स्थलों, क्रेशरों, ईंट-भट्ठों एवं प्रवासी परिवारों के बच्चों तक पहुंचकर पोलियो की खुराक पिला रहे हैं। अभियान में लगभग 4,300 स्वास्थ्य एवं अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा 220 पर्यवेक्षक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अभियान की सतत निगरानी जिला प्रशासन एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन के मॉनिटरों द्वारा की जा रही है।

ग्राम रायसिंहपुरा में स्थित श्री कालेश्वर महाराज धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/दैनिक मालावा हेराल्ड। नीमच जिले की मनासा तहसील के ग्राम रायसिंहपुरा स्थित श्री कालेश्वर महाराज धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं यहा कालेश्वर दरबार में सिर्फ एक छोटा विडियो जीवन सिंह सौधिया राजपूत द्वारा जारी किया गया था इस विडियो के माध्यम से भक्तों का तांता लगता रहा और हजारों कि भीड़ लगगे लगी और बीमारी से छुटकारा मिलता रहा श्रद्धालुओं के बीच मान्यता है कि लगातार पांच रविवार दर्शन पूजा-अर्चना और श्रद्धा के साथ मनोकामना करने से यहा सभी जहरीली जानवर का जहर गांठ तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को लाभ मिलता है इसी विश्वास के चलते मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों से भी लोग यहां पहुंच रहे हैं। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र चिकित्सीय या वैज्ञानिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है, और गंभीर बीमारियों के लिए डॉक्टर की सलाह और उपचार आवश्यक है मंदिर समिति का कहना है कि यह श्रद्धालुओं की आस्था और भगवान श्री कालेश्वर महाराज की कृपा में विश्वास का विषय है यहा कालेश्वर दरबार में 5 रविवार तक हाजिरी लगाने से सभी बीमारी से छुटकारा मिलता है ओर यहा आने के बाद आपको खुद को पता चल जायेगा कोनसी दवाई दी जाती है सभी कि जानकारी भी आपको मील जायेगी।

कठौड़िया बड़ा में जलभराव से रास्ते बंद, चार दिनों से स्कूल नहीं जा पा रहे मासूम बच्चे

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मात्र एक दिन की बारिश ने ग्रामीण इलाकों में प्रशासनिक दावों और बुनियादी ढांचे की पोल खोल कर रख दी है। ग्राम कठौड़िया बड़ा में जलभराव की गंभीर समस्या के कारण ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है। हालात इस कदर बदतर हो चुके हैं कि पिछले चार दिनों से छोटे बच्चों का स्कूल जाना पूरी तरह से बंद है।

स्थानीय निवासी हेमराज ने बताया कि गांव में एक ही दिन की बारिश हुई है, लेकिन पानी की निकासी न होने के कारण चारों तरफ जलजमाव हो गया है। नए रास्तों और सड़कों के निर्माण के चलते पानी का बहाव रुक गया है, जिससे पूरे इलाके में पानी भर गया है। स्थिति यह है कि गांव से बाहर निकलने वाले दोनों मुख्य रास्ते पूरी तरह से बंद हो चुके हैं। बड़े लोग तो जैसे-तैसे निकल जाते हैं, लेकिन प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल के छोटे बच्चे पिछले चार दिनों से घरों में कैद होने को मजबूर हैं। ग्रामीणों को चिंता है कि अगर पूरी बरसात यही आलम रहा, तो बच्चों का भविष्य अंधकार में डूब जाएगा।

जलभराव के कारण न सिर्फ आवागमन बाधित हुआ है, बल्कि गंदगी और जलजमाव की वजह से मच्छरों और जहरीले जीवों का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों के अनुसार, रुके हुए पानी और आस-पास जमा लकड़ियों के ढेर में लगातार सांप और अन्य जहरीले जीव देखे जा रहे हैं। इससे रात के समय आने-जाने में ग्रामीणों को भारी डर का सामना करना पड़ता है।

पिछले साल हमने इस समस्या को लेकर एसडीएम साहब को लिखित आवेदन दिया था। स्थानीय सरपंच से भी कई बार गुहार लगाई गई। हर बार सिर्फ आश्वासन मिलता है कि काम हो जाएगा, लेकिन जमीनी हकीकत आज भी जस की तस है। अब तक कोई सुध लेने नहीं आया।

-हेमराज, स्थानीय निवासी

ग्रामीणों ने प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि कठौड़िया बड़ा में जल निकासी का तुरंत स्थाई समाधान निकाला जाए और बंद पड़े रास्तों को खुलवाया जाए ताकि बच्चों की पढ़ाई सुचारू रूप से शुरू हो सके और ग्रामीणों को इस नारकीय जीवन से मुक्ति मिल सके।

राजपूत समाज के युवाओं में ऊर्जा की कमी दिखाई देती है - गुरुजी अंबाजी धाम

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला राजपूत समाज संगठन की धूंधड़का तहसील इकाई द्वारा अंबाजी धाम निपानिया तहसील दलोदा में क्षेत्र के राजपूत भाई ,बहनों का एक सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए गुरुजी अंबाजी धाम ने कहा की राजपूत समाज के लोग ऊर्जावान, ताकतवर और दूसरों की रक्षा करने वाले होते थे परंतु आज युवाओं में ऊर्जा की कमी दिखाई देती है वह सकारात्मक कार्यों में कम रुचि लेते है तथा मोबाइल चलाकर घंटों अपना समय पर बर्बाद कर देते हैं जबकि किसी भी समाज को बदलने के लिए युवाओं की आवश्यकता होती है। युवा ही परिवर्तन ला सकते हैं परंतु बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि आज के युवाओं में और जोश और ऊर्जा नहीं है जो पहले कभी हुआ करती थी। राजपूत समाज के अधिकांशयुवा राजपूत समाज की गतिविधियों में भी भाग नहीं लेते, ना एकता प्रदर्शित करते हैं, ना सामाजिक मेल मिलाप रखते हैं। जो समाज के भविष्य के लिए ठीक नहीं है। इस दिशा में उन्हें सुधार करना चाहिए ।जिला राजपूत समाज संगठन समाज को एकत्रित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है परंतु परिणाम अपेक्षाकृत नहीं आते हैं। इस अवसर पर जिला राजपूत समाज के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह काचरिया ने कहा कि राजपूत समाज के भाइयों को एकता का भाव पैदा करने के लिए इस तरह के आयोजन करने पड़ते हैं ताकि समाज में एकजुट के साथ-साथ सेवा के भाव भी उत्पन्न हो।

इंदौर, नागदा, रतलाम, चित्तौड़गढ़ रेलखंड पर नई मेमू ट्रेन की मांग, यात्री विकास एवं सुझाव मंच ने रखा जनहित का प्रस्ताव

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर- नागदा- रतलाम- चित्तौड़गढ़ रेलखंड पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नई मेमू ट्रेन संचालित किए जाने की मांग को लेकर यात्री विकास एवं सुझाव मंच ने रेल प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। मंच का कहना है कि इस रेलखंड पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में विद्यार्थी, कर्मचारी, व्यापारी और आम नागरिक आवागमन करते हैं, ऐसे में अतिरिक्त मेमू सेवा शुरू होने से यात्रियों को काफी सुविधा मिल सकती है।

मंच के संस्थापक संचालक राजेश सकलेचा अध्यक्ष नितिन जैन सचिव रवि चौहान कोषाध्यक्ष दीपक जैन सदस्य गौतम लश्करी दिनेश सेठिया प्रकाश मालपानी तथा मीडिया प्रभारी जीवनलाल जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि क्षेत्र में स्थानीय और दैनिक यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में इंदौर से नागदा, रतलाम होते हुए चित्तौड़गढ़ तक नई मेमू ट्रेन का संचालन जनसुविधा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि नागदा और रतलाम पश्चिम रेलवे के प्रमुख जंक्शन हैं, जहां से प्रतिदिन हजारों यात्री यात्रा करते हैं। नई मेमू सेवा प्रारंभ होने से इंदौर, उज्जैन,नागदा, खाचरौद, रतलाम, जावरा मंदसोर से आगे इस रूट पर यात्रा करने वाले यात्रियों को सुगम, किफायती और समयबद्ध यात्रा का विकल्प मिलेगा। इससे शिक्षा, रोजगार, व्यापार एवं सामाजिक गतिविधियों को भी सकारात्मक गति मिलने की उम्मीद है।

यात्री विकास एवं सुझाव मंच लंबे समय से यात्रियों की सुविधाओं, जनहित से जुड़े मुद्दों और रेल सेवाओं के विस्तार के लिए रचनात्मक सुझाव देता रहा है। मंच का उद्देश्य आम यात्रियों की आवश्यकताओं को जिम्मेदारीपूर्वक संबंधित विभागों तक पहुंचाना और जनसहयोग के माध्यम से बेहतर परिवहन सुविधाओं के लिए सकारात्मक पहल करना है।

मंच ने रेल प्रशासन से जनहित और यात्रियों की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इंदौर- नागदा- रतलाम- चित्तौड़गढ़ रेलखंड पर नई मेमू ट्रेन संचालित करने की मांग पर सकारात्मक विचार करने का अनुरोध किया है। उनका विश्वास है कि यह पहल क्षेत्र के हजारों यात्रियों के लिए उपयोगी साबित होगी और रेल यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाएगी।

जावरा ब्लॉक में पल्स पोलियो अभियान को मिली गति, पहले दिन 78 प्रतिशत बच्चों को पिलाई गई पोलियो की दवा

बड़ावदा/प्रवीण व्यास/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत जावरा ब्लॉक में रविवार को पहले दिन उत्साहपूर्वक अभियान चलाया गया। ब्लॉक के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों एवं पोलियो बूथों पर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाई गई। ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.के. खराड़ी ने बताया कि जावरा ब्लॉक में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 26,942 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के प्रथम दिवस लगभग 78 प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति करते हुए 20,755 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई। इसके लिए पूरे ब्लॉक में 235 पोलियो बूथ बनाए गए थे, जहां स्वास्थ्य विभाग एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सेवाएं दीं।

उन्होंने बताया कि यह अभियान 28, 29 एवं 30 जून तक चलेगा। 28 जून को सभी पोलियो बूथ एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को दवा पिलाई गई, जबकि 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर ऐसे बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी, जो पहले दिन किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच सके।

डॉ. खराड़ी ने क्षेत्र के सभी अभिभावकों से अपील की है कि 0 से 5 वर्ष तक का कोई भी बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रहे। उन्होंने अभियान को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों तथा सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

नक्शे में खेल या जमीन पर घोटाला? बालोदालक्खा में 16 बीस्वा भूमि पर उठा बड़ा सवाल

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। ग्राम बालोदालक्खा से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सीधे सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां प्रेमसिंह, आनंदपालसिंह और मनोहरसिंह द्वारा भूमि सीमांकन को लेकर दिया गया आवेदन अब कई गंभीर शंकाओं को जन्म दे रहा है।

आवेदकों का कहना है कि उनकी भूमि सर्वे नंबर 399/1 और 399/2 (कुल लगभग 0.16 हेक्टेयर) का सही सीमांकन आज तक स्पष्ट नहीं किया गया। चौंकाने वाली बात यह है कि यह भूमि पुराने बंदोबस्त के सर्वे नंबर 1032 और 1042 से जुड़ी हुई है, लेकिन नक्शों और खसरा रिकॉर्ड में अंतर होने की आशंका जताई जा रही है।

बड़ा सवाल- अगर सब कुछ रिकॉर्ड में स्पष्ट है, तो फिर सीमांकन कराने के लिए बार-बार आवेदन क्यों?

क्या राजस्व रिकॉर्ड में गड़बड़ी है, या फिर कहीं जमीन बढ़ाने-घटाने का खेल चल रहा है?

आवेदकों ने साफ तौर पर मांग की है कि पुराने नक्शों और खसरे से मिलान कर उनकी 16 बीस्वा जमीन का सही निशान तय किया जाए।

साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि यदि सीमांकन के दौरान नक्शा बढ़ा हुआ पाया जाता है, तो अतिरिक्त भूमि को शासकीय मानकर अलग किया जाए।

प्रशासन कटघरे में- इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल प्रशासन की निष्क्रियता पर खड़ा हो रहा है। आखिर क्यों वर्षों बाद भी जमीन का स्पष्ट सीमांकन नहीं हो पाया?

क्या जिम्मेदार अधिकारी जानबूझकर मामले को लटका रहे हैं, या फिर कहीं मिलीभगत की बू आ रही है?

ग्रामीणों में चर्चा तेज- गांव में इस मुद्दे को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है।

लोगों का कहना है कि अगर समय रहते सही सीमांकन नहीं हुआ, तो भविष्य में यह विवाद बड़ा रूप ले सकता है।

अब निगाहें प्रशासन पर- देखना होगा कि राजस्व विभाग इस गंभीर मामले में कितनी पारदर्शिता और तेजी दिखाता है, या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

झाबुआ में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को जिला चिकित्सालय झाबुआ में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर मंत्री सुश्री भूरिया ने बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने भी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान के सफल संचालन का संदेश दिया।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि पोलियो उन्मूलन की दिशा में देश ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, लेकिन इस सफलता को बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे को पोलियो रोधी दवा की खुराक समय पर देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्रत्येक अभिभावक को अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलानी चाहिए। उन्होंने सभी नागरिकों से इस जनहितकारी अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करने की अपील की।

सीसीटीएनएस में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रतलाम पुलिस को प्रदेश में प्रथम स्थान- पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार हुए सम्मानित

राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो, पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा आयोजित ICJS कार्यशाला में प्रदान की गई सम्मान शील्ड

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम पुलिस ने एक बार फिर उत्कृष्ट कार्यप्रणाली एवं तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम के प्रभावी संचालन में प्रदेशभर में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रतलाम पुलिस को मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, जिसके लिए पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री अमित कुमार (भा.पु.से.) को सम्मानित किया गया।

राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो, पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा दिनांक 28 जून 2026 को भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे मिंटो हॉल में इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के दौरान सीसीटीएनएस के प्रभावी क्रियान्वयन एवं वर्ष 2025 में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री अमित कुमार को सम्मान स्वरूप शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान रतलाम पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों से संबंधित सूचनाओं के समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ संधारण, ऑनलाइन सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा डिजिटल पुलिसिंग के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों का परिणाम है।कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक महोदय श्री कैलाश मकवाना, न्यायमूर्ति माननीय श्री संजीव कालगांवकर, श्री प्रसून गुप्ता उपनिदेशक एनसीआरबी नई दिल्ली, डॉ सैयद शरीक रिजवी फॉरेंसिक व सायबर एक्सपर्ट मुंबई, श्री पंकज श्रीवास्तव विशेष पुलिस महानिदेशक अ अ वि पुलिस मुख्यालय भोपाल, श्री सुनील जैन एन आई सी भोपाल, आदि अधिकारी उपस्थित रहे।इस उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार ने रतलाम पुलिस के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों, सीसीटीएनएस शाखा एवं सभी पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान पूरे रतलाम पुलिस परिवार के सामूहिक प्रयास, अनुशासन एवं तकनीकी दक्षता का प्रतिफल है। उन्होंने भविष्य में भी नागरिकों को आधुनिक, पारदर्शी एवं तकनीक आधारित पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर उत्कृष्ट कार्य करने का आह्वान किया। रतलाम पुलिस डिजिटल पुलिसिंग को सुदृढ़ बनाने एवं आमजन को बेहतर, त्वरित एवं पारदर्शी पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

एक बगिया माँ के नाम योजना से संवर रही है महिलाओं की तकदीर

नटेरन जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत बींझ में महिला सशक्तिकरण की ओर एक अनूठा कदम

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए जनपद पंचायत नटेरन के ग्राम पंचायत बींझ में एक बेहद सराहनीय पहल की गई है। योजना का नाम है- एक बगिया माँ के नाम। यह परियोजना सिर्फ पेड़ लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक विकास और सशक्तिकरण की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रही है।

इस योजना की प्रमुख हितग्राही गीता बाई (पत्नी भूपत सिंह) और सावित्री बाई (दुर्गा समूह) हैं। गीता बाई के पास जमीन का एक छोटा सा टुकड़ा था, जिस पर वे कड़ी मेहनत करती थीं, लेकिन पारंपरिक तरीकों से उतनी आय नहीं हो पाती थी जिससे परिवार का भविष्य सुरक्षित हो सके। एक बगिया माँ के नाम योजना के जुड़ने के बाद गीता बाई की जिंदगी बदल गई है। योजना के तहत उन्होंने अपनी जमीन पर फलदार पौधे लगाने का काम शुरू किया है। जमीन की सुरक्षा के लिए तार फेंसिंग करवाई गई है। योजना की पहचान के लिए विधिवत बोर्ड लगाया गया है और पौधों के लिए जमीन पूरी तरह तैयार कर ली गई है।

हितग्राही के शब्द-मैं बहुत खुश हूँ कि मुझे इस परियोजना का हिस्सा बनने का अवसर मिला। इस योजना से मुझे नियमित आय का साधन मिलेगा और मेरी आमदनी में बढ़ोतरी होगी। गीता बाई प्रशासनिक सहयोग और तकनीकी मार्गदर्शन इस परियोजना को जमीन पर उतारने के लिए प्रशासन ने पूरी मुस्तैदी दिखाई है। 25 नवंबर 2025 को कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अर्चना अवनि सिंह और क्लस्टर उपयंत्री के. के. जाटव ने कार्यस्थल का दौरा किया। उपयंत्री द्वारा तकनीकी रूप से ले-आउट देकर कार्य से संबंधित जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान ग्राम पंचायत सरपंच और ग्राम रोजगार सहायक भगवान सिंह भी उपस्थित रहे, जिससे हितग्राही को पूरा प्रशासनिक सहयोग मिला।

कुशल नेतृत्व से मिली सफलता - इस परियोजना की सफलता के पीछे जिले के प्रशासनिक नेतृत्व की बड़ी भूमिका है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन और विजन के कारण यह योजना निरंतर आगे बढ़ रही है। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ओपी सनोडिया के अथक प्रयासों से इस परियोजना को पूरे नटेरन क्षेत्र में सफलता के साथ लागू किया जा रहा है। आने वाले समय में अपेक्षाएं और भविष्य की राह एक बगिया माँ के नाम परियोजना केवल वर्तमान को ही नहीं सुधार रही, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रख रही है। मुख्य लक्ष्य प्रभाव आत्मनिर्भरता क्षेत्र की महिलाएं आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो रही हैं। बेहतर भविष्य होने वाली आय से महिलाएं अपने बच्चों और परिवार को बेहतर जीवन दे सकेंगी।

योजना का विस्तार आने वाले समय में जिला प्रशासन का लक्ष्य इस योजना से और अधिक महिलाओं को जोड़ना है। कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ के नेतृत्व में यह परियोजना नटेरन क्षेत्र की महिलाओं के लिए एक नए युग की शुरुआत कर रही है, जहां हर महिला अपनी मेहनत और सरकारी सहयोग के बल पर आत्मनिर्भर बन रही है।

तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान का हुआ शुभारंभ

बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय बड़वानी में श्री जगदीश धनगर पूर्व जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा, श्री गजेन्द्र सोनाने वार्ड पार्षद, श्री श्रीराम जी यादव लायंस क्लब बड़वानी के द्वारा पल्स पोलियो अभियान का शुभारम्भ रविवार को किया गया। इसीप्रकार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चाचरिया विकासखण्ड सेंधवा में श्री मोन्टू सोलंकी विधायक विधानसभा क्षेत्र सेंधवा एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयपालसिंह ठाकुर द्वारा पल्स पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान का शुभारम्भ किया गया। राज्य स्तर से जन्म से पांच वर्ष की आयु के कुल 261309 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य दिया गया है।डॉ. अतुल राठौड़ जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा उपस्थित जनप्रतिधियों को अवगत कराया गया कि जिले में प्रथम दिवस हेतु कुल 1524 बूथ, 111 ट्रांजिट टीम एवं 37 मोबाईल टीम के माध्यम से 3344 कर्मचारियों के कार्य की मॉनिटरिंग हेतु 266 नियुक्त कर लक्षित बच्चों को पोलियो की दवाई पिलाई जावेगी। जिला चिकित्सालय शुभारम्भ अवसर डॉ. राजेश गुप्ता जिला स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. मनोज खन्ना सिविल सर्जन बड़वानी, श्री मनीष भद्रावले जिला कार्यक्रम प्रबंधक, देवेन्द्र चौहान डाटा मैनेजर टीकाकरण, हीना मकरानी सहायक कार्यक्रम प्रबंधक, अजय यादव एवं स्वास्थ्य विभाग का स्टॉफ उपस्थित था।

ग्वालियर जिले में 2356 बूथों पर बच्चों को पिलाई गई पल्स पोलियो की दवा

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पल्स पोलियो अभियान के तहत ग्वालियर जिले में बनाए गए 2 हजार 356 बूथों पर रविवार को जन्म से 5 वर्ष के सभी बच्चों को जिंदगी की दो बूँद पिलाकर पोलियो रक्षा कवच पहनाया गया। जिले के जनप्रतिनिधिगण एवं वरिष्ठ अधिकारी विभिन्न पोलियो बूथों पर पहुँचे और बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। पोलियो बूथ पर जो बच्चे पल्स पोलियो की दवा की खुराक लेने नहीं पहुँच पाए हैं उन्हें पल्स पोलियो अभियान के तहत 29 व 30 जून को घर-घर जाकर पोलियो रोधी दवा पिलाई जायेगी। अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने सिविल डिस्पेंसरी ठाठीपुर में बच्चों को पोलियो दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इसी तरह सिविल अस्पताल हजीरा में पार्षद श्रीमती अनीता प्रजापति ने बच्चों को जिंदगी की दो बूंद पिलाई और हजीरा क्षेत्र में अभियान का शुभारंभ किया। पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल ने जिला चिकित्सालय मुरार में बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सीमा जायसवाल व जिला टीकाकरण अधिकरी डॉ. आर के गुप्ता सहित अन्य चिकित्सक मौजूद थे। जिले के अन्य पोलियो बूथों पर भी जनप्रतिनिधिगण व अधिकारी पहुँचे और पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एम.एस.सागर ने बताया कि जिले में 3 लाख 30 हजार 399 बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि जो बच्चे रविवार 28 जून को पोलियोरोधी खुराक लेने पोलियो बूथ पर नहीं पहुँच पाए हैं उन्हें 29 व 30 जून को घर-घर जाकर पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। अभियान की मॉनीटरिंग के लिये जिला स्तरीय अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समाज को देता है नई दिशा - शरद जैन

जैन सोशल ग्रुप नागदा ने 'ज्ञान गौरव' सम्मान समारोह में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का किया सम्मान

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन मध्यप्रदेश रीजन के उपाध्यक्ष शरद जैन ने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान केवल उनकी उपलब्धियों का अभिनंदन नहीं, बल्कि समाज की नई पीढ़ी को उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करने का सशक्त माध्यम है। जैन सोशल ग्रुप नागदा शिक्षा, संस्कार और सामाजिक दायित्वों के क्षेत्र में निरंतर अनुकरणीय कार्य कर समाज के लिए प्रेरणा बन रहा है।

रविवार को स्थानीय नंदश्री गार्डन में आयोजित जैन सोशल ग्रुप नागदा के ज्ञान गौरव' सम्मान समारोह में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान समारोह मे उक्त विचार रखे कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रुप अध्यक्ष धर्मेन्द्र बंम ने की।

स्वागत उद्बोधन में धर्मेन्द्र बंम ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान करना समाज का दायित्व है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाने के साथ अन्य बच्चों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं।

मुख्य अतिथि प्रकाश जैन ने कहा कि विद्यार्थी समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी हैं तथा उनकी प्रतिभा का सम्मान समाज को नई दिशा देने का कार्य करता है। विशिष्ट अतिथि एवं साहित्यिक कन्वीनर दिलीप कांठेड़ ने शिक्षा के क्षेत्र में जैन सोशल ग्रुप के निरंतर योगदान को अनुकरणीय बताते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया।

समारोह में पालीताणा तीर्थ की पैदल नव्वाणु यात्रा पूर्ण करने वाले बच्चों का शॉल, माला, पगड़ी एवं अभिनंदन पत्र देकर विशेष सम्मान किया गया। पूर्व अध्यक्ष कमल जैन सिसौदिया ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया। साथ ही नवनियुक्त चातुर्मास समिति के अध्यक्ष दिलीप कांठेड़ एवं शरद आंचलिया का भी सम्मान कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी गई।

इस अवसर पर मदर्स डे पर आयोजित सेल्फी विद मदर' प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की गई तथा कार्यक्रम की सह-प्रायोजक एवं ग्रुप की सह सचिव मनीषा मनोज गांग का भी अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम का प्रभावी संचालन युवा संचालक मीत कोचर एवं चाहत पालरेचा ने किया। आभार ग्रुप सचिव प्रशांत नाहर ने व्यक्त किया। समारोह के समापन पर स्नेह मिलन एवं सुस्वादु भोजन का आयोजन हुआ। इस अवसर पर जैन सोशल ग्रुप नागदा के बड़ी संख्या में सदस्य, गणमान्य नागरिक एवं सम्मानित परिवार उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में उत्साह, आत्मीयता और सामाजिक एकता का भाव देखने को मिला।

कार्यक्रम मे अमित बम, सचिन सकलेचा, रवि संधवी, सुभाष बाफना, सुरेश नाहटा, आशिष पोखरना, सिद्धार्थ काठेड़, मनोज कोठारी, संजय मुराडिया, अंकुर जैन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का बुधनी आगमन पर हुआ आत्मीय एवं भव्य स्वागत

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बुधनी आगमन पर ट्रायटेंड हेलीपैड पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नर्मदापुरम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। ट्रायटेंड हेलीपैड पर नर्मदापुरम सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, बुधनी विधायक श्री रमाकांत भार्गव, श्री सीताशरण शर्मा, श्री प्रेमशंकर वर्मा, पूर्व विधायक श्री राजेंद्र सिंह राजपूत, भोपाल संभाग आयुक्त श्री कर्मवीर शर्मा, सीहोर कलेक्टर श्री बालागुरु के., नर्मदापुरम कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा एवं सीहोर पुलिस अधीक्षक श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नर्मदापुरम प्रस्थान के दौरान मार्ग में विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं, स्थानीय नागरिकों एवं यादव समाज के लोगों ने भी पुष्प गुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया।

प्रख्यात उद्योगपति कैलाश धानुका ने रचा कीर्तिमान, नीमच में स्थापित होगी एमपी की पहली विशालसोलर ग्लास फैक्ट्री

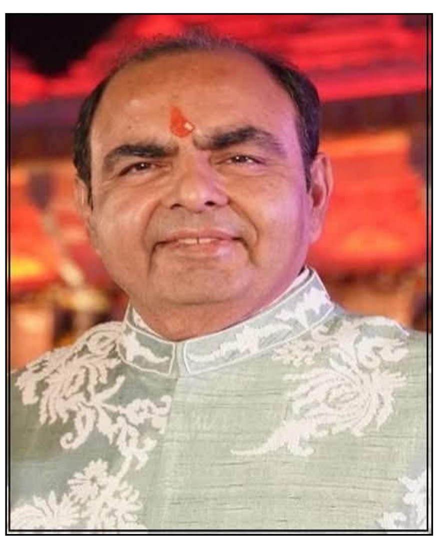

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। औद्योगिक विकास की दिशा में नीमच जिले के लिए एक बड़ी और ऐतिहासिक खबर है। क्षेत्र के प्रख्यात उद्योगपति कैलाश धानुका ने मध्य प्रदेश में एक नया औद्योगिक कीर्तिमान रचने जा रहे है। उनके द्वारा नीमच में एक और विशाल मेगा परियोजना स्थापित की जा रही है, जो प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगी।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 29 जून 2026 को नीमच जिले के दौरे पर आ रहे हैं। सीएम डॉ. यादव धानुका ग्रुप की इस नई और अति-महत्वाकांक्षी औद्योगिक परियोजना का भव्य शुभारंभ भी करेंगे।

1,247 करोड़ का महा-निवेश, एमपी की पहली सोलर ग्लास यूनिट- धानुका बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा नीमच जिले की जीरन तहसील के ग्राम सोनियाना में यह अत्याधुनिक सोलर टेम्पर्ड ग्लास निर्माण इकाई स्थापित की जा रही है। 31.73 एकड़ भूमि पर आकार लेने वाले इस मेगा प्रोजेक्ट में कुल 1,247.71 करोड़ रुपये का भारी निवेश किया जा रहा है। सबसे खास बात यह है कि यह मध्य प्रदेश की पहली वृहद-स्तरीय सोलर ग्लास मैन्युफैक्चरिंग यूनिट होगी, जो विश्व की सर्वोत्तम तकनीक पर आधारित है। यहाँ प्रतिदिन 600 टन (1,72,800 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष) सोलर ग्लास का उत्पादन होगा।

नीमच के युवाओं के लिए रोजगार की बहार- उद्योगपति धानुका का यह कदम स्थानीय युवाओं के लिए वरदान साबित होने वाला है। इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से कुल 1,690 लोगों को रोजगार मिलेगा, जिसमें 490 प्रत्यक्ष (तकनीकी एवं प्रशासनिक) और 1,200 अप्रत्यक्ष रोजगार शामिल हैं। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि भर्तियों में नीमच जिले के स्थानीय युवाओं को ही प्राथमिकता दी जाएगी।

आत्मनिर्भर भारत को ताकत, हर साल बचेंगे 1,283 करोड़ रुपये- भारत वर्तमान में अपनी जरूरत का केवल 15त्न सोलर ग्लास ही देश में बनाता है, बाकी आयात करना पड़ता है। नीमच की यह नई इकाई हर साल देश के लगभग 1,283 करोड़ रुपये के आयात को रिप्लेस (प्रतिस्थापित) करेगी, जिससे भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा की बचत होगी। यह प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान को सीधे तौर पर मजबूत करेगा।

ग्रीन प्रोजेक्ट- अपनी ही बिजली से चलेगी फैक्ट्री- पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए धानुका ग्रुप इस फैक्ट्री के साथ 40 मेगावाट का एक कैप्टिव सोलर पावर प्लांट भी लगा रहा है। यानी इस फैक्ट्री को चलाने के लिए स्वच्छ और हरित ऊर्जा का इस्तेमाल किया जाएगा, जो इसे एक आदर्श ग्रीन इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट बनाता है।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान - अनुमान है कि अपने जीवनकाल के शुरुआती 15 वर्षों में ही यह परियोजना मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था में 3,000 से 4,000 करोड़ रुपये का शानदार योगदान देगी। साथ ही जीएसटी और बिजली शुल्क के माध्यम से राज्य सरकार को बड़ा राजस्व प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 29 जून 2026 के प्रस्तावित नीमच दौरे और इस प्रोजेक्ट के शुभारंभ को लेकर प्रशासनिक हलकों और उद्योग जगत में तैयारियां तेज हो गई हैं। उद्योगपति कैलाश जी धानुका की यह पहल नीमच को भारत के सोलर विनिर्माण मानचित्र पर एक चमकता हुआ सितारा बना देगी।

किसान भाई वर्षा में देरी पर चिंता न करें, वैज्ञानिक सलाह अपनाकर करें खेती

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मानसून के आगमन में देरी या सामान्य से कम वर्षा की स्थिति को ध्यान में रखकर ग्वालियर जिले के किसानों के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि विभाग द्वारा वैज्ञानिक सलाह जारी की गई है। कृषकगणों से अपील की गई है कि वे मानसून देरी से आने पर चिंता न करें, कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए उपाय अपनाकर खेती करें, जिससे कम वर्षा की स्थिति में भी फसल उत्पादन को सुरक्षित रखा जा सके। कृषि विभाग ने सलाह दी है कि किसान 50 से 75 मिलीमीटर प्रभावी वर्षा होने के बाद ही बुवाई प्रारंभ करें। खेत में नमी संरक्षण के लिए मेड़बंदी, मल्चिंग तथा जल संरक्षण के उपाय अपनाएँ और कम अवधि वाली एवं ऐसी किस्मों का चयन करें जो कम वर्षा को सहन कर सकें।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का हुआ शुभारंभ, पहले दिन जिले के 1,26,948 बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ हुआ। यह अभियान 28 जून से 30 जून तक चलाया जा रहा है। सीहोर जिला अस्पताल में अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री सुदेश राय, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा और नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया।

सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि अभियान के प्रथम दिन जिले के 1620 स्वास्थ्य संस्थाओं पर बूथ स्थापित कर, 43 मोबाइल टीम तथा 39 ट्रांजिट टीम बनाकर 1,26,948 बच्चो को पोलियो की दवा पिलाई गई। अगले दो दिनों तक स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए 55,136 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी। अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के जिले के 1,82,084 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

अभियान के सफल संचालन हेतु जिले में सूक्ष्म कार्ययोजना तैयार की गई है। हाई रिस्क क्षेत्रों जैसे ईंट भट्टे, निर्माण स्थलों, झुग्गी-झोपड़ियों, घुमक्कड़ आबादी, हाट-बाजार एवं मेला स्थलों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अभियान की मॉनिटरिंग एवं सुपरविजन के लिए अधिकारियों एवं सुपरवाईजरों की ड्यूटी निर्धारित की गई है तथा समीक्षा की जा रही है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. और स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे 05 वर्ष तक की आयु के अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलांए। जिला अस्पताल में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. उमेश श्रीवास्तव, जिला टीकाकरण अधिकारी (डीआईओ) डॉ. राजकुमार, डॉ. पुष्पा कन्नौजिया सहित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

शत-प्रतिशत नामांकन पर जोर, कोई भी बच्चा विद्यालय में प्रवेश से वंचित न रहे

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। नामांकन, अपार आईडी, चाइल्ड ट्रैकिंग एवं शैक्षणिक गुणवत्ता की हुई विस्तृत समीक्षाजनपद पंचायत सभागार खनियाधाना में शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) दफेदार सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी पात्र बच्चा विद्यालय में प्रवेश से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे का विद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित करना शिक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा शिक्षा का अधिकार प्रत्येक बच्चे का संवैधानिक अधिकार है। अधिकारियों एवं शिक्षकों को वार्ड एवं ग्राम स्तर तक पहुंचकर शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।बैठक में बीआरसी संजय भदोरिया, समस्त बीएसी, जन शिक्षक, प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक तथा अशासकीय विद्यालयों के संचालक उपस्थित रहे। डीपीसी ने निर्देश दिए कि विद्यालयों में समय पर प्रार्थना, आज का शुभ विचार, बाल कैबिनेट का गठन तथा सभी शैक्षणिक गतिविधियों का नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाए, जिससे विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं सीखने की रुचि विकसित हो। उन्होंने विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए ओलंपियाड, एनएमएमएस एवं नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की तैयारी अभी से प्रारंभ कराने, प्रतिदिन श्रुतलेख एवं सुलेख का अभ्यास कराने, कॉपियों का समयबद्ध मूल्यांकन करने तथा नियमित फेयर कार्य कराने के निर्देश दिए।बैठक में अपार आईडी, नामांकन, यू-डाइस प्रोग्रेशन, चाइल्ड ट्रैकिंग एवं साक्षर भारत अभियान की विस्तृत समीक्षा की गई। डीपीसी ने सभी विद्यालयों में स्टॉक पंजी, संपर्क पंजी एवं अन्य अभिलेखों का नियमित संधारण सुनिश्चित करने, अभिभावकों से सतत संपर्क बनाए रखने तथा अनुपस्थित विद्यार्थियों को पुनः विद्यालय से जोड़ने के निर्देश दिए। मध्यान्ह भोजन योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी विद्यालयों में निर्धारित समय पर स्वच्छ, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने तथा भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।बैठक के अंत में डीपीसी ने विकासखंड में विभिन्न शैक्षणिक नवाचारों, प्रभावी मॉनिटरिंग एवं गुणवत्तापूर्ण प्रयासों की सराहना करते हुए सभी अधिकारियों एवं शिक्षकों का आह्वान किया कि वे टीम भावना के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक बच्चे को विद्यालय से जोड़ने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

जिले में खरीफ वर्ष 2026 हेतु पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं उर्वरक

रायसेन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रायसेन जिले में खरीफ वर्ष 2026 हेतु पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हैं। कृषि विभाग के उप संचालक श्री केपी भगत ने बताया कि जिले में खरीफ 2026 हेतु उर्वरक लक्ष्य 137050 मैट्रिक टन है। जिले में अभी तक यूरिया, डीएपी, एमओपी, एनपीके तथा एसएसपी को मिलाकर कुल 80136 मैट्रिक टन उर्वरक प्राप्त हुई है जिसमें से किसानों को 33599 मैट्रिक टन खाद का वितरण हो गया है तथा वर्तमान में 46537 मैट्रिक टन खाद उपलब्ध है। इसमें यूरिया 20596 मैट्रिक टन, डीएपी 1781 मैट्रिक टन, एमओपी 1806 मैट्रिक टन, एनपीके 9855 मैट्रिक टन तथा एसएसपी 12499 मैट्रिक टन उपलब्ध है। जिले में खाद की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने निरंतर खाद की रैक प्राप्त हो रही हैं।जिले में विपणन संघ के केन्द्रों पर खाद की उपलब्धता की जानकारी हेतु बताया कि विपणन संघ केन्द्र बाड़ी में यूरिया 1343.115 मैट्रिक टन, डीएपी 78.85 मैट्रिक टन तथा एनपीके 389.85 मैट्रिक टन, विपणन संघ केन्द्र बरेली में यूरिया 1596.51 मैट्रिक टन, डीएपी 165.05 मैट्रिक टन तथा एनपीके 587.55 मैट्रिक टन, विपणन संघ केन्द्र बेगमगंज में यूरिया 565.975 मैट्रिक टन, डीएपी 28.05 मैट्रिक टन तथा एनपीके 406.8 मैट्रिक टन, विपणन संघ केन्द्र गैरतगंज में यूरिया 683.38 मैट्रिक टन, डीएपी 32.25 मैट्रिक टन तथा एनपीके 186.75 मैट्रिक टन, विपणन संघ गौहरगंज में यूरिया 97.38 मैट्रिक टन, डीएपी 67.25 मैट्रिक टन तथा एनपीके 235 मैट्रिक टन उपलब्ध है।इसी प्रकार विपणन संघ केन्द्र खरगौन में यूरिया 299.555 मैट्रिक टन, डीएपी 36.15 मैट्रिक टन तथा एनपीके 333.9 मैट्रिक टन, विपणन संघ केन्द्र रायसेन में यूरिया 634.111 मैट्रिक टन, डीएपी 160.05 मैट्रिक टन तथा एनपीके 844.8 मैट्रिक टन, विपणन संघ केन्द्र औबेदुल्लागंज में यूरिया 1055.155 मैट्रिक टन आदी।

पल्स पोलियो अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पिलाई गई दवा

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार तथा मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में भारत को पोलियो मुक्त बनाए रखने और बच्चों को इस संक्रमण से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से तीन दिवसीय राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत रविवार से की गई। इस विशेष अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो से बचाव की खुराक पिलाई जा रही है।अभियान के पहले दिन रविवार को जिले भर में बनाए गए पोलियो बूथों पर सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक बच्चों को दवा पिलाई गई। स्थानीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बाचरोन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित पड़ेरिया के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस दौरान ढोल-नगाड़ों की थाप के साथ कार्यक्रम का आगाज किया गया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

मौत बनकर दौड़ी सपना ट्रैवल्स की बस, तेज रफ्तार में डिवाइडर पर चढ़ी और पलटी, 20 यात्री घायल

घायलों का आरोप—मोबाइल पर बात कर रहा था चालक, शराब के नशे में भी बस चलाने की आशंका

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर-उज्जैन रोड पर शनिवार-रविवार की दरमियानी रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। सपना ट्रैवल्स की यात्री बस तेज रफ्तार और कथित लापरवाही के चलते नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के तपोभूमि के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और पलट गई। रात करीब 1 से 1=30 बजे हुए इस हादसे में बस में सवार करीब 20 यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और यात्रियों में अफरा-तफरी फैल गई।

हादसे में छह यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें जिला अस्पताल के चरक भवन में भर्ती कराया गया है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार सभी घायलों की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है, जबकि अन्य यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

प्रत्यक्षदर्शियों और घायलों के अनुसार हादसे के समय तेज बारिश हो रही थी, लेकिन इसके बावजूद चालक तेज रफ्तार से बस चला रहा था। यात्रियों का आरोप है कि चालक मोबाइल फोन पर बात करने में व्यस्त था, जिससे उसका ध्यान सड़क से हट गया। कुछ यात्रियों ने यह भी आरोप लगाया कि चालक ने शराब का सेवन किया हुआ था और उसी हालत में बस चला रहा था। हालांकि शराब सेवन के आरोप की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है और पुलिस इसकी जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि बस में क्षमता से अधिक यात्री सवार थे। कई लोग सीट नहीं मिलने के कारण खड़े होकर यात्रा कर रहे थे। ऐसे में तेज रफ्तार और लापरवाही ने यात्रियों की जान जोखिम में डाल दी। अचानक बस डिवाइडर पर चढ़ी और पलट गई। बस पलटते ही कई यात्री सीटों के नीचे दब गए और बाहर निकलने के लिए चीखने लगे। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। उन्होंने बस के शीशे तोड़कर अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। स्थानीय लोगों की तत्परता से बड़ा जनहानि टल गई।

घायलों में ग्वालियर निवासी गोविंद अग्रवाल (54) और उनके पुत्र सुधीर अग्रवाल (25), इंदौर के विजयनगर निवासी खुशी तिवारी (15), उज्जैन की साईं धाम कॉलोनी निवासी वंश खत्री (10) और उनकी मां वंदना खत्री (32), तथा जीवनखेड़ी निवासी हरदीप पिता अर्जुन शामिल हैं। इनमें से कई यात्री इंदौर में शादी समारोह से लौट रहे थे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस को जब्त कर मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक जांच में चालक की लापरवाही हादसे की प्रमुख वजह मानी जा रही है। पुलिस चालक के मोबाइल उपयोग, बस की गति, तकनीकी स्थिति तथा शराब सेवन के आरोपों की जांच कर रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मजदूर युवक को लोगों ने चोर समझकर पीटा

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रात में मजदूरी से लौट रहे युवक ने बारिश से बचने के लिए मवेशियों के तबेले में शरण ले ली लेकिन लोगों ने उसे कर समझा और बुरी तरह मारपीट की। घायल युवक को नागदा से उज्जैन उपचार के लिए रेफर किया गया है। अस्पताल में भर्ती घायल राजेश पिता कालूराम 35 साल ने बताया कि वह मजदूरी करता है और नागदा का रहने वाला है। रात में वह अपने घर लौट रहा था इस दौरान तेज बारिश शुरू हो गई बारिश से बचने के लिए वह समीप बने टीन सेट से बने मवेशियों के तबेले में चला गया। वह बारिश थमने का इंतजार कर रहा था इस बीच कुछ लोग आ गए और मवेशी चोरी का आरोप लगाकर मारपीट शुरू कर दी। वह घायल हो गया जानकारी लगने पर पुलिस भी मौके पर आ गई थी। उसे नागदा अस्पताल पहुंचाया गया जहां से उज्जैन रेफर किया गया। फिलहाल नागदा पुलिस मामले की जांच कर रही है घायल के अस्पताल से डिस्चार्ज होने पर मामले में प्रकरण दर्ज किया जा सकता है।

फंदे पर लटका मिला युवक, हाथ पर गुदा है सतीश

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल मंदिर क्षेत्र अपंग आश्रम के पास रविवार सुबह खाली दुकान में रस्सी के फंदे पर एक युवक की लाश लोगों द्वारा देखी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक के पास पहचान का कोई दस्तावेज नहीं मिला है। मर्ग कायम कर शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि अपंग आश्रम के पास कुछ दुकानें खाली पड़ी हुई हैं।

सुबह एक दुकान में युवक फंदे पर लटका हुआ दिखाई दिया। लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची और जांच शुरू की। आसपास के लोगों ने बताया कि मृतक युवक कुछ दिनों से क्षेत्र में भिक्षावृत्ति कर रहा था। रात में भी वह कुछ लोगों से पैसे मांग रहा था। लेकिन उसका नाम-पता मालुम नहीं है। पुलिस के अनुसार शव को फंदे से उतारा गया। उसके पास से पहचान का कोई दस्तावेज नहीं मिला है। लेकिन हाथ पर सतीश और राधे-राधे गुदा हुआ है। शव को पोस्टमार्टम कक्ष में रखा गया है। आसपास के थाना क्षेत्रों से गुमशुदा लोगों की जानकारी मांगी गई है। पहचान नहीं होने पर पोस्टमार्टम के बाद शव दफना दिया जाएगा। महाकाल थाना क्षेत्र की रुद्रसागर कॉलोनी में रहने वाली पूजा पति गुलशन वर्मा 28 साल को रात 3 बजे जहरीला पदार्थ खा लिया हालत बिगड़ने पर परिजन निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मामले की जांच शुरू की गई है। निजी अस्पताल से शव पोस्टमार्टम के लिए चरक अस्पताल लाया गया है। ससुराल और मायके पक्ष दोनों के बयान दर्ज किए जाएंगे। पूजा का विवाह 9 साल पहले हुआ था। पति हार-फूल की दुकान लगाता है।

कांवलीखेड़ा में चेक डैम निर्माण से 2200 घन मीटर जल का संग्रहण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनपद पंचायत तराना के ग्राम कांवलीखेड़ा में 15वें वित्त आयोग एवं मनरेगा के संयुक्त सहयोग से एक महत्वपूर्ण जल संरक्षण कार्य पूर्ण किया गया है। ग्राम की प्रेम बाई के खेत के पास स्थित शासकीय नाले में चेकडेम का सफल जीर्णोद्धार कर 10.00 लाख रुपये की लागत से नया चेकडेम निर्मित किया गया है।

इस कार्य की आवश्यकता इसलिए पड़ी थी क्योंकि वर्षा ऋतु में नाले में अत्यधिक जल बहाव के कारण आसपास के खेतों में जल भराव हो जाता था, जिससे कृषि कार्य प्रभावित होता था और जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो जाती थी। ग्राम पंचायत द्वारा इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए 15वें वित्त आयोग एवं मनरेगा की सहायता से चेकडेम का निर्माण कराया गया।

अब इस चेकडेम के बन जाने से नाले में लगभग 2200 घन मीटर जल का भंडारण संभव हो सकेगा, जो आसपास के कृषि क्षेत्र के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगा। ग्राम पंचायत कांवलीखेड़ा में निर्मित यह चेकडेम जल संरक्षण एवं ग्रामीण विकास का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किया गया यह कार्य आने वाले समय में क्षेत्र के किसानों एवं ग्रामीणों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। वर्षा के पानी को संग्रहित करने, भूजल स्तर बढ़ाने तथा कृषि उत्पादकता बढ़ाने में यह चेकडेम महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उज्जैन में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

हजारों बच्चों को पिलाई गई दो बूंद जिंदगी की-आज घर-घर पिलाएंगे दवा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में रविवार को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ हुआ। मातृ शिशु चरक अस्पताल में कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान की शुरुआत की। इसके बाद जिलेभर के पोलियो बूथों और आंगनवाड़ी केंद्रों पर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि जिले में लगभग 2,398 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां जन्म से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाई गई। अभियान के तहत 2,79,293 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि जो बच्चे रविवार को पोलियो की खुराक लेने से वंचित रह गए हैं, उन्हें सोमवार और मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर दवा पिलाएंगी। अभियान के दौरान ईंट-भट्टों, निर्माण स्थलों, कच्ची बस्तियों तथा घुमंतू परिवारों के बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि यदि उनका बच्चा रविवार को पोलियो की दवा नहीं पी सका है, तो घर पहुंचने वाली स्वास्थ्य टीम को अवश्य दवा पिलवाएं और राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

महिला सफाईकर्मी को मिला था आभूषण-रुपयों से भरा पर्स

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चरक अस्पताल में उपचार के लिये आई महिला का पर्स गुम हो गया। उसने 3 लाख के आभूषण रखे होने की शिकायत कोतवाली थाने पहुंचकर की। पुलिस हरकत में आ गई और कैमरों के फुटेज खंगाले। महिला सफाईकर्मी पर्स उठाते दिखाई दी।

हेलावाड़ी क्षेत्र की रहने वाली महिला अपनी मां का उपचार करने चरक अस्पताल पहुंची थी। इस दौरान उसका पर्स गिर गया। पर्स में चांदी के कुछ आभूषणों के साथ सोने का मंगलसूत्र और नगद रूपये रखे थे। पर्स नहीं मिलने पर महिला कोतवाली थाने पहुंची और बताया कि पर्स चोरी हो गया है। जिसमें 3 लाख के आभूषण रखे थे। पुलिस हरकत में आ गई और कैमरों के फुटेज देखने के लिये चरक अस्पताल पहुंच गई।

कुछ देर में फुटेज के आधार पर पता चला कि पर्स महिला सफाईकर्मी को मिला है। जिसे थाने पर तलब किया गया और पर्स बरामद किया गया।

महिला सफाईकर्मी का कहना था कि उसे सफाई के दौरान मिला था। बताया जा रहा है पर्स में साढे तीन हजार रूपये, 6 से 8 सोने के मोती लगा मंगलसूत्र और चांदी की पायल रखी थी। जिसकी कीमत लगभग 30 हजार के आसपास थी। पुलिस ने शिकायत करने वाली महिला से पूछा तो उसने इतना ही सामान होना बताया।

उससे शिकायत दर्ज कराने के लिये कहा गया तो उसका कहना था कि पर्स मिल गया है, वह शिकायत दर्ज करना नहीं चाहती है। पुलिस ने पर्स लौटाकर महिला सफाईकर्मी को हिदायत देकर छोड़ दिया।

विधायक श्री जैन के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय में रविवार को जिला स्तरीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ विधायक श्री अनिल जैन कालुहेड़ा के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

उल्लेखनीय है कि पल्स पोलियो अभियान भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य देश को पोलियो मुक्त बनाए रखना है। इस अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाती है। यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है और बच्चों में पोलियो वायरस से सुरक्षा प्रदान करती है। नियमित पल्स पोलियो अभियानों से भारत वर्ष 2014 में पोलियो मुक्त घोषित हो चुका है, लेकिन निरंतर सतर्कता बनाए रखने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है।

इस अवसर पर श्री कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट, श्री संजय अग्रवाल, सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। विधायक, कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने उपस्थित बच्चों को स्वयं पोलियो की दवा पिलाई और अभियान को सफल बनाने की अपील की।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि 28 जून 2026 को जिला चिकित्सालय में शुभारंभ के दौरान पोलियो की दवा पीने से वंचित बच्चों को 29 एवं 30 जून 2026 को घर-घर जाकर पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। जिले में कुल 2,79,293 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

भीख मांगते बच्चों पर नहीं लग रही रोक, सिग्नलों और मंदिरों के बाहर अब भी सक्रिय

भिक्षा नहीं, शिक्षा अभियान बेअसर-महिला बाल विकास विभाग के दावों के बावजूद सड़कों पर लौटे मासूम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में पिछले वर्ष शुरू किया गया भिक्षा नहीं, शिक्षा का अधिकार अभियान फिलहाल बेअसर नजर आ रहा है। ट्रैफिक सिग्नलों, प्रमुख चौराहों, धार्मिक स्थलों, बाजारों और मिठाई व फास्ट फूड की दुकानों के बाहर आज भी बड़ी संख्या में बच्चे भीख मांगते दिखाई दे रहे हैं। हालात यह संकेत दे रहे हैं कि अभियान का असर केवल कागजों तक ही सीमित रह गया है।

पिछले वर्ष महिला एवं बाल विकास विभाग ने भीख मांगने वाले बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने और उनके अभिभावकों के खिलाफ कार्रवाई करने का दावा किया था। शुरुआती दिनों में अभियान के चलते सड़कों से बच्चे और भिखारी कुछ समय के लिए गायब भी हुए, लेकिन कुछ ही दिनों बाद वे फिर पहले की तरह शहर के विभिन्न इलाकों में नजर आने लगे।

शहर के महाकाल क्षेत्र सहित अन्य प्रमुख मंदिरों, ट्रैफिक सिग्नलों, व्यस्त बाजारों और चौराहों पर बच्चे राहगीरों और श्रद्धालुओं से भीख मांगते देखे जा सकते हैं। कई स्थानों पर दुकानदार भी इस स्थिति से परेशान हैं। उनका कहना है कि बार-बार मना करने के बावजूद बच्चे दुकानों के सामने डटे रहते हैं, जिससे ग्राहकों को भी असुविधा होती है। जानकारों का कहना है कि केवल अभियान चलाने या धरपकड़ करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। जरूरत इस बात की है कि बच्चों के अभिभावकों को जागरूक किया जाए और इन बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिलाकर शिक्षा, भोजन और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। जिला प्रशासन ने समय-समय पर भिक्षावृत्ति रोकने और बच्चों को बेहतर जीवन देने के लिए अभियान चलाए, लेकिन अब तक अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी है। प्रशासन को भीख मांगने वालों और उन्हें भीख देने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए थे, लेकिन वर्तमान में ऐसी कार्रवाई प्रभावी रूप से दिखाई नहीं दे रही है। शहर में भिक्षावृत्ति की लगातार बनी हुई स्थिति प्रशासन के दावों पर सवाल खड़े कर रही है। सामाजिक संगठनों का मानना है कि जब तक पुनर्वास, शिक्षा और नियमित निगरानी की प्रभावी व्यवस्था नहीं होगी, तब तक ऐसे अभियान केवल औपचारिकता बनकर रह जाएंगे और मासूम बच्चों का बचपन सड़कों पर ही गुजरता रहेगा।

15 साल बाद भी रेन वाटर हार्वेस्टिंग नियम कागजों में, शहर के 60% नए भवनों में सिस्टम ही नहीं

140 वर्गमीटर से बड़े भवनों में सिस्टम लगाना अनिवार्य, डिपॉजिट तो ले रहे, लेकिन जांच नहीं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में वर्षा जल संरक्षण को लेकर बनाए गए नियमों का पालन प्रभावी ढंग से नहीं हो रहा है। करीब 15 साल पहले रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य किया गया था, लेकिन आज भी शहर के 60 प्रतिशत से अधिक नए भवनों में यह सिस्टम नहीं लगाया जा रहा है। ऐसे में हर साल लाखों लीटर बारिश का पानी व्यर्थ बह जाता है।

नियम के अनुसार 140 वर्गमीटर या उससे अधिक क्षेत्रफल पर बनने वाले प्रत्येक नए भवन में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना अनिवार्य है। इस नियम का पालन करवाने की जिम्मेदारी नगर निगम की है। इसके लिए भवन का नक्शा पास करते समय निगम भवन मालिकों से सुरक्षा राशि (डिपॉजिट) भी जमा कराता है। सिस्टम लगाने के बाद भवन मालिक आवेदन कर यह राशि वापस ले सकता है। लेकिन हकीकत यह है कि अधिकांश मामलों में न तो भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया जा रहा है और न ही इसकी नियमित जांच हो रही है। नगर निगम के पास इसकी निगरानी के लिए कोई प्रभावी मॉनिटरिंग व्यवस्था नहीं है। यही कारण है कि नियम केवल कागजों तक सीमित होकर रह गया है।

नियमों के अनुसार यदि कोई भवन मालिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम नहीं लगाता है तो नगर निगम को उसके खर्च पर यह सिस्टम लगवाने का अधिकार है, लेकिन अब तक इस दिशा में प्रभावी कार्रवाई देखने को नहीं मिली है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम वर्षा के पानी को संग्रहित कर भूजल स्तर बढ़ाने और भविष्य में उपयोग के लिए सुरक्षित रखने का प्रभावी माध्यम माना जाता है। बढ़ते जल संकट के बीच इसकी उपयोगिता और भी बढ़ गई है।

2009 से लागू है नियम- मध्यप्रदेश भूमि विकास नियम 1984 की धारा 78(4) के तहत 27 अक्टूबर 2009 से रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य किया गया था। इसके तहत 140 वर्गमीटर या उससे बड़े भूखंड पर निर्माण करने वाले भवन मालिकों को सिस्टम लगाना जरूरी है।

भूखंड के आकार के अनुसार जमा होती है डिपॉजिट राशि...

- 140 से 200 वर्गमीटर = 7,000 रुपए
- 200 से 300 वर्गमीटर = 10,000 रुपए
- 300 से 400 वर्गमीटर = 12,000 रुपए
- 400 वर्गमीटर से अधिक = 15,000 रुपए

यह राशि भवन का नक्शा स्वीकृत कराने के समय जमा कराई जाती है। सिस्टम बनने और निरीक्षण के बाद यह राशि वापस की जाती है। नगर निगम सूत्रों के अनुसार शहर में बन रहे करीब 60 प्रतिशत नए भवनों में अब भी रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम नहीं लगाया जा रहा है। इससे जल संरक्षण के उद्देश्य को बड़ा नुकसान पहुंच रहा है।

खेत तालाब योजना से बंजर भूमि बनी उपजाऊ

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तराना की ग्राम पंचायत कनार्दी में मनरेगा के तहत निर्मित खेत तालाब ने एक बंजर भूमि को हरे-भरे खेत में बदलकर जल संरक्षण और कृषि समृद्धि की शानदार मिसाल पेश की है।

इस कार्य ने स्थानीय किसान रवि पिता जगदीश पटेल के जीवन में नई उम्मीद जगाई है और आसपास के किसानों को भी प्रेरित किया है।

ग्राम पंचायत कनार्दी में खेत तालाब निर्माण कार्य रवि जगदीश पटेल के खेत में मनरेगा योजना के अंतर्गत पूरा किया गया। योजना के तहत स्वीकृत ?3.80 लाख की राशि में से ?2.60 लाख व्यय कर कार्य पिछले साल शुरू किया गया और इस साल 22 अप्रैल को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। इस दौरान कुल 884 मानव दिवस सृजित हुए। कार्य का क्रियान्वयन ग्राम पंचायत कनार्दी द्वारा किया गया। किसान रवि जगदीश पटेल के पास लगभग साढ़े सात बीघा भूमि थी,जो ज्यादातर बंजर पड़ी रहती थी। इसमें केवल एक मौसम की फसल ही हो पाती थी और अधिकांश समय भूमि बेकार रहती थी। खेत तालाब निर्माण से वर्षा का पानी संरक्षित हो गया, जिससे सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हुई और भूमि का सदुपयोग सुनिश्चित हुआ।

तालाब बनने के बाद किसान रवि पटेल ने अपनी बंजर जमीन को उपजाऊ बनाते हुए 100 क्विंटल से अधिक गेहूं का उत्पादन किया। न केवल आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई और घर में खुशी छा गई।

तालाब के कारण आसपास के कुओं में जल स्तर बढ़ गया है, जिससे पड़ोसी किसानों को भी सिंचाई का लाभ मिल रहा है। क्षेत्र में जल संरक्षण की स्थिति मजबूत हुई है और वर्षा जल व्यर्थ बहने की समस्या पर अंकुश लगा है। यह खेत तालाब न केवल स्थानीय किसानों के लिए जल संरक्षण का स्रोत बना है, बल्कि अन्य किसानों को भी इस योजना को अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। ग्राम पंचायत कनार्दी का यह प्रयास जल संरक्षण, कृषि उत्पादकता बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक जीवंत उदाहरण है।

एक हफ्ते से बिजली का संकट, रोज 8 से 10 घंटे कटौती से एक दर्जन कॉलोनियों के लोग बेहाल

एमआर-5 स्थित सेंट पॉल व खंडेलवाल नगर 11 केवी फीडर पर बार-बार ट्रिपिंग और फॉल्ट, शिकायतों के बावजूद समाधान नहीं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के विद्युत मंडल के खेड़ापति जोन अंतर्गत एमआर-5 मार्ग स्थित सेंट पॉल और खंडेलवाल नगर 11 केवी फीडर से जुड़ी करीब एक दर्जन कॉलोनियों के रहवासी पिछले एक सप्ताह से भीषण बिजली संकट झेल रहे हैं। फीडर पर लगातार ट्रिपिंग और बार-बार फॉल्ट आने से रोजाना 8 से 10 घंटे तक बिजली गुल हो रही है। इससे लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो गई है। शनिवार रात को भी इन कॉलोनियों में करीब दो घंटे तक अंधेरा छाया रहा। भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली बंद होने से लोगों को रातभर परेशानी उठानी पड़ी। घरों में पेयजल आपूर्ति, बच्चों की पढ़ाई और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग भी प्रभावित हो रहा है। रहवासियों का आरोप है कि बिजली कंपनी के अधिकारियों को कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक ट्रिपिंग और फॉल्ट की स्थायी समस्या का समाधान नहीं किया गया। हर बार अस्थायी सुधार के बाद कुछ ही देर में फिर बिजली बंद हो जाती है।

लगातार हो रही बिजली कटौती से लोगों में भारी नाराजगी है। रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही फीडर की तकनीकी खराबी दूर कर निर्बाध बिजली आपूर्ति शुरू नहीं की गई तो वे बिजली कंपनी कार्यालय का घेराव कर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

आज इस्कॉन मंदिर में तीर्थों के जल से होगा भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा का महाअभिषेक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इस्कॉन मंदिर में आज सोमवार को भगवान जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी की स्नान पूर्णिमा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इस वर्ष का आयोजन जलगंगा संवर्द्धन अभियान के समापन उत्सव के रूप में भी आयोजित किया जा रहा है।

आज भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा महारानी का महाअभिषेक प्रदेश की पवित्र नदियों, तीर्थस्थलों और सरोवरों के जल से किया जाएगा। इस विशेष आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जलगंगा संवर्द्धन अभियान के तहत पिछले चार महीनों में तालाबों, बावड़ियों और अन्य जल स्त्रोतों की सफाई, गहरीकरण, पुनरुद्धार एवं सौंदर्यीकरण का व्यापक कार्य किया गया है। जल संरक्षण और जल संग्रहण क्षमता बढ़ाने की दिशा में किए गए इन प्रयासों की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना हुई है।

आयोजकों के अनुसार, भगवान जगन्नाथ की स्नान यात्रा और जलगंगा संवर्द्धन अभियान के समापन का यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ जल संरक्षण का संदेश भी देगा। मंदिर में महाअभिषेक, विशेष पूजा-अर्चना एवं भजन-कीर्तन के साथ श्रद्धालु भगवान के दिव्य दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे।